जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, गुरुवार 28 सितम्बर, 2023

सिर्फ 3 दिन में 5 लाख बढ़ेंगे

Booking QR Code

FOR OUTSTATION CLIENTS:

1. QR Code स्कैन कर ₹ 1 लाख से कोठी बुक करें
2. 15 अक्टूबर तक साइट विजिट करें
3. पसंद नहीं आने पर पूरा पैसा वापस प्राप्त करें

अन्यथा

1 अक्टूबर से 5 लाख अधिक देकर नई रेट में कोठी बुक करें

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

पजेशन तक
50% रेट बढ़ेगी
1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

युनिट टाइप	साइज	अगस्त की रेट NPO New Product Offer	सितम्बर की रेट +5%	अक्टूबर की रेट +10%	नवम्बर की रेट +15%	दिसम्बर की रेट +20%	जनवरी की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	POSSESSION DEC. 2025 पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

डेंगू के खतरे से चेताती विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट

यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण माने तब भी इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि डेंगू आज और आने वाले समय के लिए दुनिया के देशों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। दुनिया के 129 देश डेंगू की गिरफ्त में आ चुके हैं तो इससे भी मतभेद नहीं हो सकता कि दुनिया के देशों में होने वाली बीमारियों में से 70 फीसदी बीमारी का केन्द्र एशिया महाद्वीप बना हुआ है। डेंगू दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से दुनिया के देशों को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। ड्ब्लूएचओ की ही माने तो आज दुनिया की आधी अबादी डेंगू संभावित क्षेत्र के दायरें में आ गई है। डेंगू की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पेरु के अधिकांश इलाकों में डेंगू के कारण इमरजेंसी लगाई जा चुकी है तो अमेरिका जैसा विकसित देश भी इसके दायरें से बाहर नहीं है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारत में ही डेंगू के औसतन 600 मामलें प्रतिदिन आ रहे हैं।

दरअसल डेंगू एडीज प्रजाती के मच्छर से फैलता है। डेंगू के मच्छर के बारे में यह माना जाता है कि नमी बाले क्षेत्र खासतौर से पानी एकत्रित होने वाले स्थानों पर यह तेजी से फैलता है। सुबह के समय यह अधिक सक्रिय रहता है। यह भी माना जाता है कि डेंगू होने का दो तीन दिन के बुखार में जांच के दौरात तो पता ही नहीं चलता वहीं तीन चार दिन तक लगातार बुखार के बाद जांच कराने पर डेंगू का पता चलता है। यह भी सही है कि डेंगूं से प्रभावित लोग एक से दो सप्ताह में ठीक भी हो जाते हैं। पर कमजोर इम्यूनिटी वाले या डेंगू के गंभीर होने की स्थिति में तेजी से प्लेटरेट्स कम होने लगती हैं और यहां तक कि शरीर के दूसरे ओरगन्स को प्रभावित करती हुई मौत का कारण भी बन जाती है। हांलाकि डेंमू के कारण मौत की रेट नाममात्र की है पर इसकी गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि डेंगू के कारण मौत के आंकडें भी साल दर साल बढते ही जा रहे हैं।

कोरोना ने दुनिया के देशों को बहुत कुछ सिखाया है। घर की चार दीवारी में कैद होने से लेकर सबकुछ बंद होने के हालातों से दो–चार हो चुके हैं। अपनों को अपने सामने ही जाते हुए देखा है तो प्लेग को छोड दिया जाये तो संभवत: यह पहला मौका होगा जब सब कुछ चाहते हुए भी कोरोना काल में अपनों को अंतिम विदाई तक भी सही ढंग से दे नही पाये हैं। कोरोना की त्रासदी से अभी उभर भी नहीं पाये हैं कि जानलेवा बीमारियों के नित नए वेरियंट सामने आ रहे हैं। इनके पीछे पिछडों देशों के सामने गरीबी एक कारण है तो दूसरी और जलवायु परिवर्तन के कारण डेंगू जैसे रोग तेजी से फैल रहे हैं। अत्यधिक बारिश, बाढ, अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक सर्दी यहां तक की बेमौसम की बरसात जैसे हालात और आए दिन आने वाले समुद्री तूफान चिंता के कारण बनते जा रहे हैं। कोरोना ने तो छोटे–बड़े, गरीब–अमीर, विकसित–अविकसित किसी भी भेद नही किया और पूरी तरह से साम्यवाद को साकार किया।

इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना ने लोगों में समझ पैदा की है। कोरोना काल में सतर्कता का जो संदेश गया वह भले ही आज बीते जमाने की बात हो गई हो पर डेंगू के संभावित खतरे को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के देशों को कोई खास व प्रभावी रणनीति बनानी होगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के चार अरब लोग डेंगू संभावित क्षेत्र में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैश्विक कार्यक्रम प्रमुख डॉ. रमन वेलायुधन का मानना है कि 2000 की तुलना में 2022 तक डेंगू से प्रभावित लोगों का आंकडे में आठ गुणा तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। यदि हम हमारे देश भारत की ही बात करें तो 2018 में 101192 मामलें सामने आये थे वहीं 2022 में डेंगू के 233251 मामले सामने आएं। यदि 2020 के साल को छोड दिया जाए तो भारत में डेंगू के मामलें लगातार बढते ही रह हैं। कमोबेस यही हालात दुनिया के दूसरे देशों में देखने को मिल रहा है। डेंगू के कारण दुनिया के देशों में एकाध मौत के समाचार भी लगातार आ रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि कोरोना ने लोगों में समझ पैदा की है। कोरोना काल में सतर्कता का जो संदेश गया वह भले ही आज बीते जमाने की बात हो गई हो पर डेंगू के संभावित खतरे को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन और दुनिया के देशों को कोई खास व प्रभावी रणनीति बनानी होगी। इसके लिए जहां साधन संपन्न व विकसित देशों को खुले दिल से आगे आना होगा वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन को दुनिया के देशों में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों व समाजसेवियों को आगे लाना होगा। जिस तरह से कोरोना का एकजुट होकर मुकाबला किया गया ठीक उसी प्रकार का प्रयास, जन जागरण अभियान, अवेयरनेस कार्यक्रम व रोकथाम के संभावित उपायों को प्रभावी तरीके से अंजाम देना होगा। जब आज दुनिया की आधी आबादी यानी कि चार अरब लोग आसानी से डेंगू की जद में आ सकते हैं तो उसकी गंभीरता को समझना होगा। जो पैसा डेंगू होने पर उसके ईलाज पर खर्च होता है उसमें से ही यदि कुछ राशि फोगिंग, टीकारण या अन्य सुरक्षात्मक उपायों पर खर्च की जाती है और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा साधनहीन, अविकसित व गरीब देशों तक डेंगू की रोकथाम के लिए अधिक सहायता पहुंचाई जाती है तो डेंगू की बढती रफ्तार को काबू में किया जा सकता है। इसके लिए सरकारों को कोरोना की तरह एसओपी जारी करने के साथ ही लोगों को जागरुक करना होगा ताकि डेंगू के मच्छर को फैलने से रोका जा सके। दरअसल मच्छरों से पैदा होने वाली बीमारियां अधिक तेजी से फैलती है और बहुत जल्दी रोग ग्रसित कर देती है। इसलिए ठोस कार्ययोजना बनाकर आगे आना होगा। मजे की बात है कि डेंगू व मलेरिया आदि बदलते मौसम में अधिक सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में सतर्कता ही बचाव वाले सिद्वांत के साथ ही इसकी रोकथाम के उपाय करने होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

पधारो म्हारे देश के निमंत्रण की संवाहक है राजस्थानी संस्कृति

राजस्थान की धरती सांस्कृतिक कला का अनूठा मिश्रण है

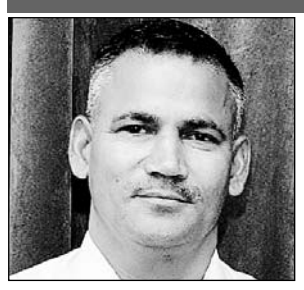

प्रकाश चन्द्र शर्मा

सभ्यता और संस्कृति के विषय में बड़ा भ्रम है। किसी विचार और व्यवहार को निखारना, धोना, मांजना या उसमें उतमोतम गुणों का आधान करना ही संस्कृति है। किसी समाज के विचारों, परम्पराओं, दर्शन, कला, शिल्प, साहित्य व धार्मिक विश्वासों का सामूहिक नाम ही संस्कृति कहा जाता है। बहुधा संस्कृति और सभ्यता को एक समझ लिया जाता है। किन्तु यह ठीक नहीं है। संस्कृति मानव समाज का आंतरिक सतत विकास है तो सभ्यता उसके बाह्य भौतिक जीवन का प्रदर्शन है।

राजस्थानी संस्कृति– मरु प्रदेश, राजपूताना और अब राजस्थान का भारतीय सांस्कृतिक मानचित्र पर विशिष्ट स्थान रहा है। मरुस्थल में फलती–फूलती शूरवीरों और राजपुत्रों की यह क्षात्र धर्मी धरा केवल शास्त्रों की झंकार और रणोंन्मादी हुंकारों से ही नहीं गूंजी है। रण के साथ ही रंग की साधना, इस धरती की यह विशेषता रही है, जिसने इसे भारतीय संस्कृति की बहुरंगी माला का मूल्यवान रत्न बना दिया गया है।

राजस्थान की सांस्कृतिक विशेषताएं– राजस्थानी संस्कृति की अनेक निजी तथा सामान्य विशेषताएं है, जो इस प्रकार है–

शूरता की साधना– राजस्थान सदा से शूरवीरों की जन्मस्थली रहा है। वीरता, स्वाभिमान और बलिदान की भावना इस प्रदेश के कण– कण में और मन–मन में समाई रही है। यहाँ के कवियों ने भी इस भावना पर धार चढ़ाई है।

बादल ज्यूँ सुरधनुष बिण, तिलक बीणा दूज पुत
बनो न सोभे मौड़ बिण घाव बीणा रजपूत।

यहाँ की माताओं ने पालने में ही पुत्र को अपनी भूमि की रक्षा का प्राण निछावर करने की लोरियां सुनाई है। व्यक्तिगत वीरता के प्रदर्शन की उन्मत्तता ने इस धरती पर अनेक निरर्थक रक्तपात भी कराए है। तथापि शूर वीरता राजस्थानी संस्कृति का प्रधान गुण है। शरणागत रक्षा– यहाँ के शासकों ने शरण में आए शत्रुपक्षीय व्यक्ति की रक्षा में अपना सर्वस्व दांव पर लगाया है। हमीर इस परम्परा की मूर्द्धन्य मणि है–

जौहर व्रत– यहाँ भी राजस्थानी संस्कृति की निजी विशेषता रही है। पतियों के केसरिया बाना धारण करके युद्धभूमि में जाने के पश्चात अपने सतीत्व की रक्षा तथा पत्नीव्रत का पालन करने वाली राजपूत नारियाँ जलती चिता में कूदकर जान दे देती थी, इसी को जौहर कहते है।

अतिथि सत्कार– राजस्थान अपने उदार आतिथ्य भाव के लिए सदा से प्रसिद्ध रहा है। अतिथि बनने पर शत्रुओं तक को उचित सम्मान देना, यहाँ की संस्कृति की विशेषता रही है।

साहित्य एवं कला प्रेम– राजस्थान में केवल रण की ही साधना नहीं हुई, यहाँ शिल्प, कला और साहित्य को भी भरपूर सम्मान और प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। कवियों को राज्याश्रय मिला। अनेक उत्कृष्ट काव्यकृतियों का स्त्रजन हुआ और आज तक यह परम्परा निर्बाध चली आ रही है।

त्यौहार तथा उत्सव– राजस्थान अपने त्योहारों और उत्सवों के लिए भी प्रसिद्ध है। गणगौर तथा तीज जैसे विशिष्ट सांस्कृतिक छाप वाले त्योहारों के साथ यहाँ सभी प्रदेशों में प्रचलित होली, दीपावली, दशहरा, रक्षाबंधन आदि त्यौहार भी उत्साह के साथ मनाये जाते है। त्योहारों के अतिरिक्त राजस्थान में अनेक मेले और उत्सव भी मनाये जाते है। पुष्कर, करौली, भरतपुर, तलवाड़ा, धौलपुर आदि के उत्सव प्रसिद्ध है।

धार्मिक प्रवृत्तियाँ– राजस्थान में धर्म के प्रति गहरी आस्था सदा से रही है। यहाँ अनेक धर्मानुयायी निवास करते है। अनेक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल यहाँ प्रतिष्ठित है। धार्मिक अनुष्ठान तथा परम्परागत संस्कारों को भी यथेष्ट महत्व प्राप्त हो रहा है।

संस्कृति पर आधुनिक प्रभाव– संस्कृति कोई जड़ अवधारणा नहीं होती। वह परिवेश और परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकती। अन्य भारतीय प्रदेशों की भांति राजस्थानी संस्कृति भी आधुनिकता की घुसपैठ से प्रभावित हुई है। लोगों की सोच और शैली में परिवर्तन हुआ है। शिक्षा का प्रचार प्रसार हुआ है। अनेक रूढ़ियाँ और परम्पराएं शिथिल हुई है।

नाथद्वारा का श्रीनाथ मंदिर पिछवाई कला के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान का विशिष्ट नृत्य घूमर है, जिसे उत्सवों के अवसर पर केवल महिलाओं द्वारा किया जाता है। राजस्थान ने भारतीय कला में अपना योगदान दिया है और यहाँ साहित्यिक परम्परा मौजूद है। विशेषकर भाट कविता की। चंदबरदाई का काव्य पृथ्वीराज रासो या चंद रासा, विशेष उल्लेखनीय है, जिसकी प्रारम्भिक हस्तलिपि 12वीं शताब्दी की है।खुद जहूरखां मेहर ई आपरै लेखन नै इण खास गद्य रचना रै कोण सूं देखै। राजस्थानी संस्कृति रा चितराम री भूमिका रै आखिर में औ लिखै के– ''बारा कड़ियां मांय सूं अक ई राजस्थानी गद्य में तुसियै जित्ती ई गिणीजगी तो म्हैं तौ भरपायौ।''

राजस्थानी संस्कृति पुरानी और परम्परा प्रिय रही है किन्तु वह निरंतर विकासशील भी है देश तथा विदेश में होने वाले नवीन परिवर्तन से वह अछूती नहीं है। अपनी परम्परागत विशेषताओं की रक्षा करते हुए वह नवीनता की लहरों में भी बह रही है। आधुनिकता और परम्परा का यह समन्वय राजस्थान की संस्कृति को जीवंत बनाए रखेगा।

राजस्थानी संस्कृति एक बहती नीरा है, जो गाँव–गाँव ढानी, चौपाल, पनघट, महल, झौपड़ी, किले, गढ़ी खेत खलिहान में बहती हुई जन जन रुपी सागर के संस्पर्श से इंद्रधनुषीय छटा बिखेरती है। और अपनी महक के साथ पर्व, मेले, तीज त्योहार, नाट्यय, नृत्य, श्रृंगार पहनावा, रीती रिवाज, आचार व्यवहार आदि में प्रतिबिम्बित होती है तथा जिसे रेत के धोरों के साथ साथ वायुमंडल, वसुंधरा तथा रोम रोम में उल्लसित एवं तरंगित अनुभूत किया जा सकता है। राजस्थानी संस्कृति समष्टिगत, समन्वयात्मक एवं प्राचीन है।

भौगोलिक विविधता एवं प्राकृतिक वैभव ने इसे और आकर्षक बनाया है। वस्तुत: राजस्थानी संस्कृति लोक जीवन को प्रतिनिधित्व करने वाली संस्कृति है। पधारों म्हारे देश के निमंत्रण की संवाहक राजस्थानी संस्कृति सांसकृतिक पर्यटन की पर्याय है। सम्रद्ध लोक संस्कृति के परिचायक तीज त्योहार उमंग के प्रतीक मेले, आस्था और विश्वास के प्रतीक लोक देवता, फाल्गुन की मस्ती में नृत्य करती आकर्षक परिधान से युक्त महिलाएं पर्यटकों को चमत्कृत करने के लिए पर्याप्त है।

धरती धोरा री की झिलमिलाती रेत एवं गूंजता सुरीला लोक संगीत पर्यटक को अभिभूत करने वाला होता है। राजस्थान की संस्कृति एवं परम्परा की मुख्य बात यह है कि राजस्थान के जनमानस की विशालता ने जिस प्रकार सभी मान्यताओं और आस्थाओं को फलने फूलने दिया। सूफीमत के संदेशवाहक ख्वाजा साहब के दरबार की दरबार के प्रखर कव्वाल और गायक थे। शंकर शम्भु कव्वाल आज अजमेर सूफी मत का अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख तीर्थ है। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर जिले के नाकौड़ा भैरव जैनियों के पूजनीय है ही परन्तु सनातनियों के मान्य भी है। मेवाड़ के केसरियाजी जैनियों के मान्य है और सनातनियों के भी है। यही स्थिति उन लोक देवताओं की है। जिन्होंने वहां के सुदूर अंचलों में स्थित आदिवासियों, जनजातियों एवं किसानों को सदियों से आस्था के सूत्र में बांधे रखा।

रुणिचा में चिर समाधि में लीन रामदेव, जिस प्रकार हिन्दुओं के रामदेव है उसी प्रकार मुसलमानों के भी रामसा पीर है। आज भी बाबा रामदेव उत्तर भारत के प्रमुख पूजनीय देवताओं में से एक है। पाबूजी राठौड़ की गोरक्षा हेतु प्राणहुती सम्बन्धी लोक गाथा लाखों को भाव विभोर करती है। लोक गायकों के द्वारा पाबूजी की फड़ को गेय में बांचने की प्रथा मध्यकाल से चली आ रही है।

यहाँ एक कहावत प्रसिद्ध है। सात वार नौ त्योहार। राजस्थान के मेले और पर्व त्योहार रंगारंग एवं दर्शनीय होते है। ये पर्व त्योहार लोगों के जीवन उनकी खुशियाँ और उमंग के परिचायक है। प्राय: इन मेलों और त्योहारों के मूल में धर्म होता है, लेकिन इनमें से कई मेले और त्योहार अपने सामाजिक और आर्थिक महत्व के परिचायक है। मनुष्य और पशुओं की अंतनिर्भरता को दर्शाने वाले पशु मेले राजस्थान की पहचान है। पुष्कर का कार्तिक मेला, परबतसर और नागौर के तेजाजी का मेला, जो मूलत: धार्मिक है। राज्य के बड़े पशु मेले माने गये है। राजस्थान में तीज को त्योहारों में पहला स्थान दिया गया है।

राजस्थान में एक कहावत प्रसिद्ध है। तीज त्योहारा बावरी ले डूबी गणगौर। इसका अर्थ है कि त्योहारों के चक्र की शुरुआत श्रावण महीने की तीज से होती है तथा साल का अंत गणगौर के साथ होता है।

गणगौर धार्मिक पर्व होने के साथ ही राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। राजस्थान में पुरा संपदा का अटूट खजाना है। राजस्थान के ख्यातनाम दुर्गों में चित्तौड़, जैसलमेर, रणथम्भौर, गागरोन, जालौर, सिवाना तथा भटनेर का दुर्ग ऐतिहासिक दृष्टि से प्रसिद्ध रहे है। इनके साथ शूरवीरों के पराक्रम, वीरांगनाओं के जौहर की रोमांचक गाथाएं जुड़ी हुई हैं, जो भारतीय इतिहास की अनमोल धरोहर है। राजस्थान के जनमानस को ये दुर्ग और इनसे जुड़े आख्यान सदा से ही प्रेरणा देते आए है। वीरता एवं शौर्य के प्रतीक ये गढ़ और किले अपने अनूठे स्थापत्य, विशिष्ठ सरंचना, अद्भुत शिल्प एवं सौन्दर्य के कारण दर्शनीय है।

राजस्थान की चित्रशैलियाँ भी इसके वैभव का प्रमाण है। बूंदी, नाथद्वारा, किशनगढ़, उदयपुर, जोधपुर, जयपुर आदि राजस्थान की चित्रकला के रंगीन पृष्ट है। जिनमें श्रृंगारिकता के साथ–साथ लौकिक जीवन की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है। राजस्थानी शैली गुजराती एवं जैन शैली के तत्वों को अपने में समेटकर मुगल शैली में समन्वित हुई है।राजस्थान के वीर तथा वीरांगनाओं ने जहाँ रणक्षेत्र में तलवारों का जौहर दिखाकर विश्व इतिहास में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया हैं, वहीँ भक्ति और आध्यात्मिक क्षेत्र क्षेत्र में भी राजस्थान पीछे नहीं रहा है। यहाँ मीरा एवं दादू भक्ति आंदोलन के प्रमुख संत रहे है। भक्ति गीतों में जहाँ एक ओर लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रतिष्ठा मिली है वही व्यक्ति स्वातंत्र्य का स्वर फूटा और लोकपरक सांस्कृतिक चेतना उजागर हुई है। यहाँ के मेलों और त्योहारों के आयोजन में सम्पूर्ण लोकजीवन पूरी सक्रियता के साथ शामिल होकर अपनी भावनात्मक आस्था का परिचय देता है। लोकनृत्य राजस्थानी संस्कृति के वाहक है। यहाँ के लोकनृत्यों में लय, ताल, गीत, सूर आदि का एक सुंदर और संतुलित सामजस्य देखने को मिलता है। गेर, चंग, गीदड़, घूमर, ढोल आदि नृत्य राजस्थान के जनजीवन की संजीवनी बूटियां है। इस बूटी की घूंटी को लेकर राजस्थान के जनजीवन और लोकमानस ने भूखा नंगा रहते हुए भी मस्ती और परिश्रम से जीना सीखा है।

–प्रकाश चंद्र शर्मा,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जरूरी : राज्यपाल कलराज मिश्र

राजसमंद, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी ने बुधवार को दो महत्वपूर्ण विकास कार्य जनता को सुपुर्द किए।

उन्होंने नाथद्वारा में श्रीगोवर्द्धन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन एवं बिलोता में सुखाडिया विवि के राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रमों में सहकारिता मंत्री एवं प्रभारी मंत्री उदयलाल आंजना, शिक्षा मंत्री डॉ बी डी कल्ला, सांसद दिया कुमारी और मिराज समूह के अध्यक्ष मदन पालीवाल आदि उपस्थित रहे। राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष ने भगवान श्रीनाथजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और देश–प्रदेश की खुशहाल की कामना की। इस दौरान

राज्यपाल कलराज मिश्र और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी पी जोशी ने दो महत्वपूर्ण विकास कार्य जनता को सुपुर्द किए।

संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना एवं एसपी सुधीर जोशी सहित अन्य ने उनकी अगवानी की। नाथद्वारा में श्रीगोवर्द्धन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को सौ साल पूर्ण होने कर नवीन भवन की सौगात मिली। राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, सहकारिता मंत्री और शिक्षा मंत्री ने विद्यालय भवन का लोकार्पण किया।

■ बिलोता में कन्या महाविद्यालय और नाथद्वारा में श्रीगोवर्धन रा.उ.मा.वि. के नवीन स्कूल भवन का लोकार्पण

लोकार्पण के पश्चात विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर सी पी जोशी ने राज्यपाल को विद्यालय के नवीन भवन का अवलोकन कराया और यहां विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने बच्चों से अध्ययन और खेलकूद दोनों गतिविधियों को साथ–साथ जारी रख जीवन में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी ने कहा कि वह छठी कक्षा से 11वीं कक्षा तक इसी स्कूल में पढ़े। उन्होंने विधायक मद से इस विद्यालय में 50 लाख रुपए की लागत से अंग्रेजी लिंग्विस्टिक लैब स्थापित करने की भी घोषणा की।

शिक्षा मंत्री डॉ बी डी कल्ला ने कहा कि राज्य में आईसीटी क्लासेस को लेकर अभूतपूर्व कार्य हुआ है। राज्यपाल कलराज मिश्र और विधानसभा अध्यक्ष डॉ सी पी जोशी ने अंत में बिलोता में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस एवं श्रीनाथजी पीठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विश्वविद्यालय के अधीन निर्मित राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया।

किराये के कमरों में चलाए जा रहे हैं आंगनबाड़ी केंद्र

चाकसू, (निसं)। चाकसू नगरपालिका परिक्षेत्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगभग दो दर्जन से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्रों के पास अपना स्वयं का भवन नहीं होने से किराए के कमरों में मुश्किल चलाए जा रहे हैं। विभाग की तरफ से किराया नाममात्र का स्वीकृत होने के कारण इन केंद्रों को ढंग का भवन या कमरा भी नहीं मिल पा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनी को नाममात्र का मानदेय दिया जाकर खानापूर्ति की जा रही है। नन्हे मुन्नों को स्कूल पूर्व की शिक्षा, संस्कार के साथ गुणवत्तापूर्ण पोषाहार दिया जा रहा है। साथ ही क्षेत्र की गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य की देखरेख एवं आवश्यकता के अनुसार उनको पौष्टिक आहार भी दिया जा रहा है। सबसे बड़ी समस्या आंगनबाड़ी

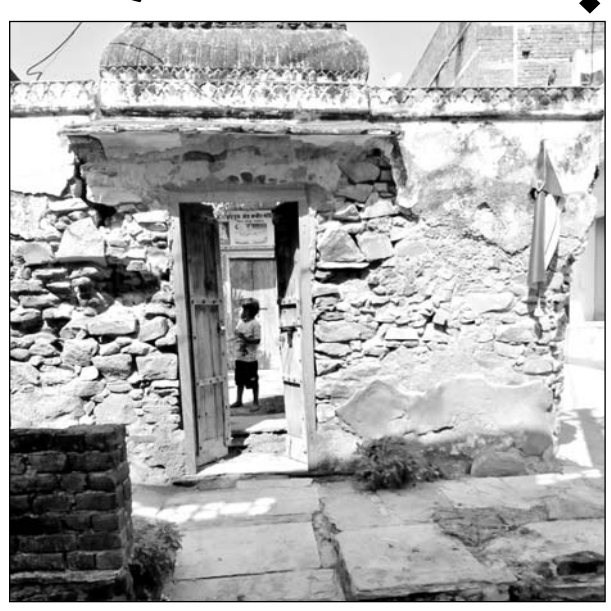

अधिकारियों की उपेक्षा के शिकार आंगनबाड़ी केंद्र के जर्जर भवन।

केंद्रों को सुविधाजनक भवन एवं परिसर की होती है, जो किसी के पास उपलब्ध नहीं है।

■ नन्हे-मुन्नों के साथ कभी भी हो सकती है अनहोनी

चाकसू के वार्ड नंबर 10 में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की भवन पूर्णत: जर्जर हो चुका है, दीवारों के पत्थर निकल कर बड़े बड़े छेद हो चुके हैं। यह भवन इतना क्षतिग्रस्त हो चुका है कि कभी भी गिर सकता है एवं अंदर पढ़ने वाले अबोध बालकों के जीवन को खतरा हो सकता है। कहने को तो यह भवन संत कबीरदास मंदिर कहलाता है, लेकिन पिछले अनेक वर्षों से न तो इस भवन की मरम्मत हो सकी और न ही जीर्णोद्धार बताया जा रहा है। कबीरदासजी को मानने वाले दो गुट परस्पर विवादों में उलझे हुए हैं। इस तरफ किसी का ध्यान नहीं है। आंगनबाड़ी 10 की संचालिका से बात करने पर पता चला कि भवन की जर्जर स्थिति के बारे में विभाग के सीडीपीओ, शिक्षा विभाग के सीबीईओं, एसीबीईओ आदि को जानकारी दे दी गई है। आग्रह एवं अनुरोध भी किया है कि पचास कदम की दूरी पर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन के खाली पड़े तथा अनुपयोगी कक्षा कक्ष अस्थाई तौर पर उपलब्ध करवा दिया जाए तो कम से कम अस्थाई समाधान हो सकता है। मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी हनुमान सहाय, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रकाशचंद, नोडल अधिकारी रामलाल मीणा ने आश्वासन दिया था कि निकटवर्ती स्कूल में कमरा उपलब्ध करवाने की कार्यवाही चल रही है। लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल रही।

अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रकाशचंद मीणा ने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालय नम्बर एक के प्रधानाचार्य सहयोग करने में लापरवाही कर रहे हैं।

राशिफल गुरूवार 28 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 1:48 तक, गंड योग रात्रि 11:54 तक, गर करण प्रात: 8:34 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:28 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मेष, शुक्र–कर्क, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज रवियोग रात्रि 1:48 तक है। भद्रा सांय 6:50 से शुक्रवार प्रात: 5:09 तक रहेगी। आज अनन्त चतुरदशी व्रत, चान्द पूर्णिमा व्रत, सिंजा माता पूजन आरम्भ होगा। आज पंचक है और ईद–ए–मिलाद (बारावफात) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:50 तक, चर 10:48 से 12:48 तक, लाभ–अमृत 12:18 से 3:16 तक, शुभ 4:45 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:13

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। आज अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। मानसिक तनाव बना रहेगा।

वृश्चिक
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 151 प्रभात चूरू, गुरुवार 28 सितम्बर, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

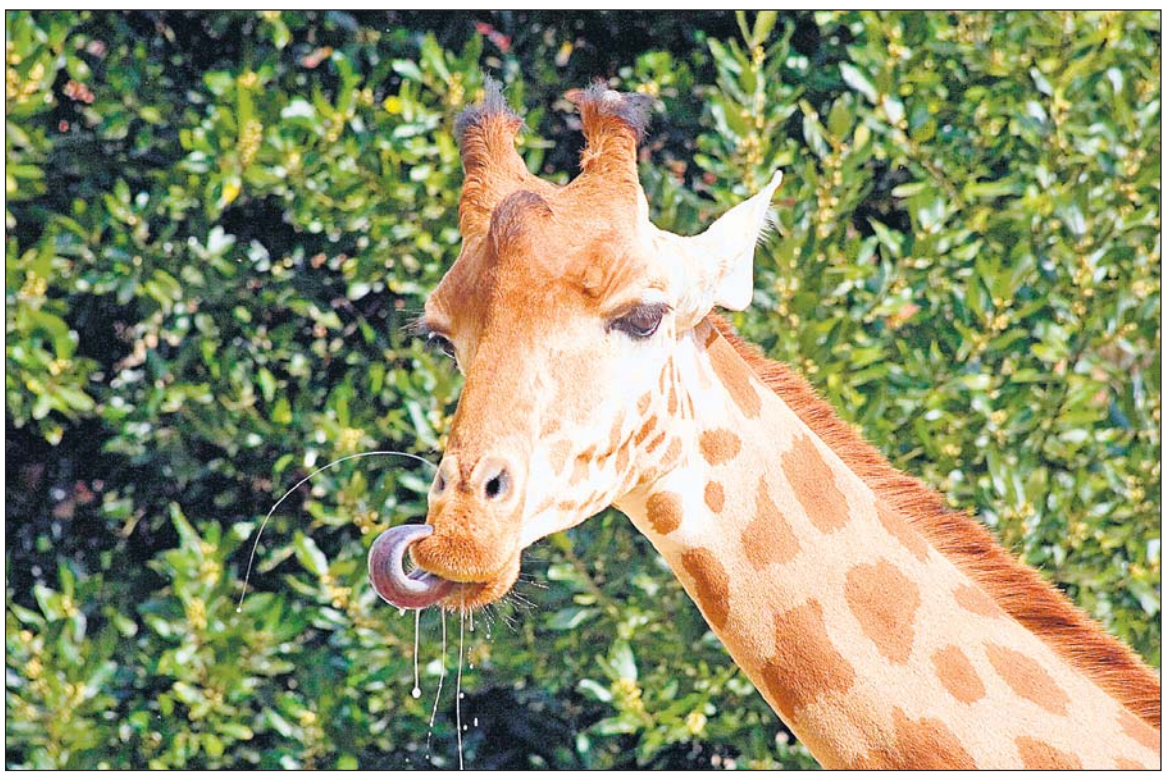

हर साल यदि सिर्फ दो कॉर्डोफैन जिराफ ही मारे जाते हैं तो भी कैमरुम के बैनोयू नैशनल पार्क में यह उपप्रजाति 15 साल में ही लुप्त हो जाएगी। युनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल ज़ूलॉजिकल सोसायटी द्वारा करवाए गए नए शोध से यह जानकारी मिली है। अफ्रीकन जर्नल ऑफ इकॉलजी में छपे इस शोध के सहलेखक सैमुअल पैनी ने कहा कि, हमें यह तो लग रहा था कि पार्क के अंदर अवैध शिकार के कारण इनकी आबादी कम हो रही है। तथापि, हमने यह उम्मीद नहीं की थी कि, विलुप्ति की नौबत इतनी जल्दी आ जाएगी। यह बेहद चिंताजनक है। कॉर्डोफैन जिराफ गंभीर रुप से संकटग्रस्त जिराफ उपप्रजाति है, जो कैमरुन, काँगो, सैंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड, काँगो, व साउथ सूडान में मिलते हैं। इनकी कुल आबादी 2300 के लगभग है तथा "बनाओ नैशनल पार्क" में इनकी आबादी 300 से कम है। मांस, हड्डियों, बाल व पूंछ के लिए जिराफ का शिकार किया जाता है। इनकी खाल का गलीचों के रुप में प्रयोग होता है। हर पांच साल में एक नर व एक मादा के मरने से यह उपप्रजाति 100 साल में लुप्त हो जाएगी और हर साल एक जोड़ा लुप्त होने से 15 साल में लुप्त हो जाएगी। शोध के अनुसार, अवैध शिकार रोकना इस विलुप्ति को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है। जिराफ की सबसे नाटी इस उपप्रजाति के सदस्यों का कद 3.8 से 4.7 मीटर होता है। नर की बजाय मादा के शिकार से आबादी सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। मादा 4 साल में प्रजनन योग्य हो जाती है और इनका गर्भकाल 15 माह का होता है। शोध के अनुसार, पार्क में अन्य स्थानों से मादा जिराफ लाने से आबादी बढ़ाने में मदद मिलेगी। हालांकि शोध लेखक एक स्थान से दूसरे स्थान जानवरों के स्थानान्तरण के खिलाफ हैं। इसकी बजाय शोध ने सुझाव दिया है कि, जिराफ के आवास के बीच के कॉरिडोर की सुरक्षा की जानी चाहिए। कॉरिडोर होने से जिराफ स्वतः अलग-अलग क्षेत्रों में जा सकेंगे।

कांग्रेस हाई कमान ने 60 प्रतिशत विधायकों के टिकट काटने का मन बनाया

स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गौरव गोगोई ने कहा, सिर्फ जीतने वाले प्रत्याशी को ही टिकट दिया जाएगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। कांग्रेस ने राजस्थान में अपने बहुत से मौजूदा विधायकों के टिकट काटने का पक्का मानस बना लिया है। राजस्थान के लिये बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सार्वजनिक रूप से बयान दे दिया है कि मौजूदा विधायकों को टिकट दिये जाने के स्थान, आगामी विधानसभा चुनावों के टिकट वितरण के अपनाये जाने वाला इकलौता फॉर्मूला प्रत्याशी की "जीतने की क्षमता" पर आधारित होगा।

- **राहुल गांधी ने गौरव गोगोई से साफ कह दिया है कि, सुनील कानूगोलू की रिपोर्ट में जिन विधायकों की हार तय बताई गई है, उन्हें टिकट कदापि न दिया जाए।**
- **जिन विधायकों के टिकट काटे जाएंगे, उनमें से अधिकांश विधायक गहलोत खेमे के हैं, जिनकी हार पक्की बताई जा रही है, पर गहलोत उन्हें हर कीमत पर टिकट दिलाना चाहते हैं।**
- **गहलोत 50 प्रतिशत टिकट मौजूदा विधायकों को दिलाना चाहते हैं। उनका कहना है कि, जिन्होंने उनकी सरकार बचाई उन विधायकों को टिकट मिलना ही चाहिए।**
- **गहलोत का कहना है कि, जिन विधायकों ने सरकार गिराने की कोशिश की उन्हें टिकट नहीं देना चाहिए।**

सूत्रों के अनुसार, राजनैतिक रणनीतिकार तथा विश्लेषक सुनील कानूगोलू तथा उनकी टीम ने अपना यह सर्वे कांग्रेस नेतृत्व को भेज दिया है कि सभी विधायकों तथा खासतौर से सभी मंत्रियों के खिलाफ जबरदस्त सत्ता विरोधी भावना है। उन्होंने सिफारिश की है कि अगर पार्टी को चुनाव में टक्कर देनी है तो मौजूदा विधायकों के कम से कम 50 प्रतिशत टिकट काटना जरूरी होगा।

सूत्रों का भी कहना है कि कांग्रेस ने टिकट वितरण उस समय तक रोके रखा है, जब तक चुनावों की घोषणा नहीं हो जाती। ऐसा करने का कारण यह बताया गया है कि विधानसभा चुनाव समय से पहले भी हो सकते हैं, आगे भी खिसक सकते हैं तथा "एक राष्ट्र एक चुनाव" का विचार क्रियान्वित किया जा सकता है। हालांकि वेणुगोपाल ने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा कर दी थी कि राजस्थान के लिये कांग्रेस के टिकटों की घोषणा सितम्बर के शुरु में हो जायेगी।

सूत्रों ने कहा कि टिकट-वितरण में विलम्ब का मुख्य कारण कांग्रेस का यह दृढ़ निश्चय है कि उन विधायकों के टिकट काटे जायेंगे, जो बुरी तरह हारते नज़र आ रहे हैं।

यह भी समझा जाता है कि अशोक गहलोत पूरी जोरदारी के साथ कह रहे हैं कि राजेन्द्र गुढ़ा के निष्कासन के बाद, राज्यसभा चुनावों में 121 विधायकों ने कांग्रेस का समर्थन किया था। गहलोतन ने यह भी कहा है कि इन विधायकों को उस समय भी सरकार को सहयोग दिया था, जब कुछ विधायकों तथ्शा अन्य लोगों ने इस सरकार को गिराने की कोशिश की थी। इस प्रकार, गहलोत का तर्क यह है कि टिकट उन विधायकों के काटे जाने चाहिये, जिन्होंने उनकी सरकार को गिराने की कोशिश की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र में भाजपा लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना चाहती है

अक्टूबर 2024 में राज्य के चुनाव होने हैं और लोकसभा चुनाव अगले साल अप्रैल-मई में निर्धारित हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी का केन्द्रीय नेतृत्व अपनी महाराष्ट्र इकाई के एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है कि राज्य के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ ही करवा लिए जाएं। उनका मानना है कि दो टिकटों वाला चुनाव और प्रधानमंत्री की जोरदार अपील पार्टी के पक्ष में काम करेगी।

- **पार्टी को उम्मीद है कि, दोनों चुनाव एक साथ होने से मोदी फैक्टर ज्यादा प्रभावी ढंग से कारगर होगा।**
- **महाराष्ट्र में भाजपा के नेताओं का कहना है कि, दोनों चुनाव एक साथ हुए तो विधानसभा चुनाव में भी राष्ट्रीय मुद्दे प्रभावी होंगे।**
- **पार्टी चाहती है कि, राज्य में अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल किया जाए, इसलिए अधिकांश सीटों पर भाजपा अपना प्रत्याशी उतारना चाहती है।**

क्या आपको कम सुनाई देता है।
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

राज्य विधानसभा चुनाव अक्टूबर 2024 में हैं लेकिन राज्य भाजपा उन्हें अगले वर्ष अप्रैल-मई में लोकसभा के साथ ही करवाना चाहती है।

नेतृत्व की आंख महाविकास अगाड़ी में शामिल विपक्षी पार्टियों और शिव सेना के एक गुट के साथ अपने गठबंधन के कार्यकलाप पर लगी हुई है।

राज्य के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने 2023-24 का बजट सबको खुश करने वाला रखा है। पार्टी के थिंक टैंक का मानना है कि हाल में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ हुआ गठबंधन लोगों को "फील गुड" करवाने में मदद कर सकता है।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ करवाने, जहां मोदी की अपील और राष्ट्रीय मुद्दे भी मतदाता के दिमाग में रहेंगे और ये मतदाताओं को प्रभावित करेंगे। ये कहना है मंत्रिमण्डल के एक सदस्य का जो राज्य की चुनावी रणनीति से वाकिफ हैं।

मंत्री ने कहा, "राज्य में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सुझाव दिया है और केन्द्रीय नेतृत्व अब इस विकल्प पर विचार कर रहा है। वह उचित समय पर कदम उठाएगा। राज्य के चुनाव लोकसभा चुनाव के 5-6 माह बाद ही है इसलिए यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए।

भाजपा राज्यों व केन्द्र के चुनाव एक साथ होने का फायदा उठाकर कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना एवं नैशनलिस्ट, कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के कमज़ोर और अवसरवादी गठबंधन की दरारों को उघाड़ना और बढ़ाना चाहती है। मंत्री का कहना है कि, महाराष्ट्र विकास अगाड़ी (एम.वी.ए.) तिकड़ी चुनावों की घोषणा तक एक साथ बने रह सकते हैं, लेकिन उसके बाद कुछ नहीं कह सकते। चुनाव अभियान के दौरान ही वो टूट सकते हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह और नड्डा का शानदार स्वागत

जयपुर 27 सितंबर । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जयपुर पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर पर उनका स्वागत किया।

स्वागत करने वाले नेताओं में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, प्रदेश

- **एयरपोर्ट पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित तमाम बड़े नेता शाह व नड्डा के स्वागत के लिए मौजूद थे।**

चुनाव प्रभारी, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, कुलदीप बिश्नोई, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, प्रदेश सह प्रभारी विजया रहाटकर, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अजयपाल सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में भाजपा केन्द्रीय मंत्रियों व कद्दावर सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारेगी

गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, राज्यवर्धन राठौड़ और दिया कुमारी का नाम चर्चा में है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। संकेत हैं कि, राजस्थान विधानसभा चुनावों में, बड़ी संख्या में केन्द्रीय मंत्रियों और वर्तमान सांसदों को चुनाव मैदान में उतार कर भाजपा मध्य प्रदेश की अपनी रणनीति को दोहरायेगी। भाजपा ने जहाँ, मध्य प्रदेश के लिए प्रत्याशियों की दो सूचियाँ जारी कर दी हैं, वहीं पार्टी ने राजस्थान सहित उन अन्य राज्यों की लिस्ट जारी नहीं की है जहाँ निकट भविष्य में चुनाव होने वाले हैं। इस बात के भी संकेत मिल रहे हैं कि, भाजपा हाई कमान वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री के चेहरे के रुप में घोषित नहीं करना चाहता है।

- **इस प्रकार भाजपा हाई कमान ने संकेत दे दिया है कि, वह वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी बनाने के पक्ष में नहीं है। भाजपा के 30 प्रतिशत मौजूदा विधायकों के टिकट काटने की तैयारी भी कर ली है।**
- **भाजपा ने राजस्थान में भी मध्य प्रदेश की रणनीति पर ही अमल किया है।**

राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए जिन केन्द्रीय मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है, उनमें, जल शक्ति मंत्री, गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नाम प्रमुख हैं। भाजपा थिंक टैंक राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं दिव्या सिंह, (क्रमशः जयपुर ग्रामीण व राजसमंद से सांसद) को विधानसभा चुनाव लड़वाने के विकल्प पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार यह भी संभावना है कि, भाजपा 30 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट सकती है।

मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए, भाजपा ने तीन केन्द्रीय मंत्रियों, नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते को मैदान में उतारा है। इनके अलावा चार सांसदों, राकेश सिंह, गणेश सिंह, रीति पाठक और उदयप्रताप सिंह को भी टिकट दिया गया है, जिससे ये चर्चाएं शुरु हो गई हैं कि वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को दरकिनार किया जा रहा है।

भाजपा के महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जिनका नाम भी प्रत्याशियों की सूची में है, अपने चयन से खुश नहीं हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिधूड़ी टोंक में भाजपा के प्रभारी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी सांसद रमेश बिधूड़ी, जिन्होंने अभी हाल ही, संसद में बसपा सांसद

- **लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ धर्म आधारित अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सांसद रमेश बिधूड़ी की इस नियुक्ति को राजनैतिक हल्कों में "पुरस्कार" बताया जा रहा है, जबकि भाजपा नेतृत्व उन्हें लोकसभा में गलत टिप्पणी के लिए नोटिस दे चुका है।**

दानिश अली के खिलाफ अभद्र एवं मुस्लिम विरोधी टिप्पणियाँ की थीं, को राजस्थान में टोंक चुनाव क्षेत्र का पार्टी प्रभारी नियुक्त किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा राजस्थान में "वसुंधरा फैक्टर" को शून्य करने की तैयारी में

मध्य प्रदेश की तर्ज पर केन्द्रीय मंत्रियों व सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा जाएगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। पांच राज्यों में होने वाले चुनावों के लिए चल रहे भीषण युद्ध में भाजपा वहां के कद्दावर नेताओं को खड़ा करना चाहती है ताकि वह मई में हुई कर्नाटक की हार तथा हाल के उपचुनाव में इंडिया गठबंधन से मिली 3-4 की हार से उबर सके।

भाजपा के एक शीर्ष नेता ने बताया कि पार्टी इस वर्ष होने वाले पांच राज्यों के चुनाव में "सामूहिक नेतृत्व", "कद्दावर नेताओं और मोदी फैक्टर पर निर्भर रहना चाहती है।"

सूत्रों ने यह भी कहा कि पार्टी किसी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित नहीं करेगी, विशेषकर हिंदी भाषी मध्य प्रदेश और राजस्थान में। यह प्रयास है क्षेत्रीय नेताओं की महत्त्वाकांक्षाओं और प्रतिद्वंदिता को नियंत्रण में रखना और "व्यक्ति से बढ़कर पार्टी" का नारा बुलंद करना।

सीधे शब्दों में, भाजपा को उम्मीद है कि बड़े नाम उसे कमज़ोर जगहों पर सीटें जितवा देंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील भी पार्टी को चुनाव का एक दौर और जितवाएगी और मुख्यमंत्री के पद पर नाम खुला रखना क्षेत्रीय नेताओं को ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

सूत्रों ने कहा कि प्रयास यह है कि भाई-भतीजावाद को खत्म किया जाए, वंशवादी राजनीति से दूर रहा जाय,

- **सूत्रों का कहना है कि, वसुंधरा राजे भले ही राजस्थान में भाजपा की सबसे ताकतवर एवं प्रभावशाली नेता मानी जाती हैं, पर इस बार उनकी वापसी की संभावना बहुत कम है।**
- **भाजपा हाई कमान दो बार मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे को फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाएगा और यह संभावना भी नहीं है कि, वसुंधरा एक विधायक के रूप में किसी अन्य मुख्यमंत्री के अधीन विधानसभा में बैठेंगी।**
- **भाजपा की योजना है कि, जिन 5 राज्यों में चुनाव होना है, वहां मोदी फैक्टर पर ही चुनाव लड़ा जाएगा।**
- **समझा जाता है कि, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ में भी भाजपा इसी योजना पर अमल करेगी।**

विशेषकर इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री कांग्रेस पर आरोप लगाते हैं।

इस योजना की कुछ झलक इस सप्ताह मध्य प्रदेश में देखने को मिलीं।

इसी तर्ज पर भाजपा की राजस्थान में पहली सूची, जो शायद 49 सीटों की है, शीघ्र आने वाली है, यह लिस्ट जयपुर में गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की मुलाकात के बाद जारी हो सकती है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे हैं केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और अर्जुनराम मेघवाल, राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, लोकसभा सांसद दिव्या कुमारी, राज्यवर्धन राठौड़ और सुखबीर सिंह जौनपुरिया।

70 वर्षीय वसुंधरा राजे दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और सिंधिया राज परिवार की सदस्य हैं, लेकिन उनका इस बार उनका लौटना मुश्किल है, हालांकि उन्हें राज्य में भाजपा का सबसे कद्दावर और प्रभावशाली नेता माना जाता है।

गैर-भाजपा मतदाताओं पर अच्छी पकड़ रखने वाली राजे से पार्टी किस तरह पेश आती है यह महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वे किसी अन्य मुख्यमंत्री के मातहत विधायक होकर तो विधानसभा में नहीं बैठ सकतीं।

मध्य प्रदेश में तीन केन्द्रीय मंत्री, चार सांसद और राष्ट्रीय माहसचिव कैलाश विजयवर्गीय प्रत्याशी हैं जबकि अभी तक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चन्द्रबाबू की अपील पर 3 अक्टूबर को सुनवाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। सर्वोच्च न्यायालय की एक नई बैंच आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चन्द्रबाबू नायडू की उस याचिका की सुनवाई 3 अक्टूबर को करेगी, जिसमें उन्होंने राज्य के स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन में कथित

- **आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू को 9 सितम्बर को 371 करोड़ रू. के कौशल विकास घोटाले में गिरफ्तार किया गया था।**

371 करोड़ रू. के घोटाले में उनके खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. को रद्द करने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी इस याचिका की सुनवाई से बुधवार को स्वयं को अलग कर लिया।

जब न्यायमूर्ति भट्टी, जो न्यायमूर्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीकर के नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप द्वारा 2700 करोड़ की धोखाधड़ी

जांच में 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे की अघोषित आय की जानकारी मिली

अलवर, (निसं)। नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप सीकर द्वारा 2700 करोड़ रुपये की लोगों से धोखाधड़ी की सूचना मिलने पर जांच की। जांच में 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे की अघोषित आय की जानकारी मिली।

जानकारी के अनुसार नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप सीकर द्वारा 2700 करोड़ रुपये की लोगों से धोखाधड़ी की सूचना मिलने पर केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय अलवर के जय प्रकाश सिहं के निर्देशन में बसंत गढ़वाल, अपर आयुक्त के नेतृत्व में जांच शुरु की। इस ग्रुप ने राजस्थान, गुजरात, दिल्ली में लगभग 30 जीएसटी फर्म बना कर निवेश करवाया व कोई जीएसटी अदा नहीं की।

जयपुर के अधिकारियों ने इस ग्रुप से जुड़े लोगों के ठिकानों पर जांच की, जिसमे अभी तक यह पाया कि लगभग 2700 करोड़ रुपये नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा, ग्रुप सीकर में वसूल किए और साथ ही यह पाया कि इस ग्रुप ने लगभग 1000 करोड़ रुपये उन लोगों को कमीशन के रुप में दे दिए, जिन्होंने इस कार्य में सहयोग किया और लोगों से निवेश करवाया। इस ग्रुप के द्वारा किया गया यह कार्य जीएसटी के दायरे में आता है और अभी तक की जांच में लगभग 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे की अघोषित आय का पता चला है। जिस पर लगभग 205 करोड़ रुपये की जीएसटी कर चोरी इस ग्रुप द्वारा की गई है।

आर.जी.एच.एस. स्कीम में करोड़ों की दवाईयों के गबन का खुलासा

- **आर.जी.एच.एस. कार्डधारकों के कार्ड का दुरूपयोग करके दवाईयों की खरीद-फरोख्त कर धोखाधड़ी करने का मुकदमा दर्ज**

जोधपुर, (कासं)। आर.जी.एच.एस. कार्डधारकों के कार्ड का दुरूपयोग करके करोडों रूपये की दवाईयों खरीद फरोख्त कर धोखाधडी करने का मुकदमा आरजीएचएस के संयुक्त दिनेशक परियोजना ने बासनी थाने में दर्ज कराया।

बासनी थाने में दी रिपोर्ट में आर.जी.एच.एस. के संयुक्त परियोजना दिनेशक राजस्थान सरकार डा. अभिषेकसिंह ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि बासनी क्षेत्र में स्थित सरकारी और प्राईवेट अस्पताल के डाक्टरों की पर्चियों के आधार पर झंवर मेडिकल स्टोर जालोरी गेट के संचालक उमेश परिवाहर और करीब 44 आरजीएचएस कार्ड धारकों ने सरकार को चूना लगाने के लिये फर्जीवाड़ा करके कुटनीतिक दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रूपये की दवाईयों का फर्जीवाड़ा करने का खुलासा जांच के दौरान पाया गया।

जोधपुर से एक दो अस्पतालों की ही और व्यक्ति विशेष के कार्डधारकों से ही निरतंर लाखों रूपये की दवाईया और इलाज की पर्चिया और बिल आने पर मामला संदिग्ध लगा और जब जांच की गई तो उक्त करोडो रूपये के गबन घोटाले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। मामले की जांच थानाधिकारी जितेन्द्रसिंह स्वयं कर रहे है।

आरोपी ने लूट का मामला दर्ज करा 5.50 लाख का गबन किया

कैशियर को ही कम्पनी की राशि का गबन किये जाने के मामले में गिरफ्तार किया

टोंक, (निसं)। निवाई थाना क्षेत्र में गत 25 सितम्बर को थाने को सूचित किया गया कि दो नकाबपोशों द्वारा एक फाईनेन्स कम्पनी के केशियर के साथ मारपीठ कर नगदी से भरा सात लाख की राशि का बेग लूठकर ले गये। जिसके खुलासे में कम्पनी के कैशियर को ही कम्पनी की राशि का गबन किये जाने के अपराध में गिरफ्तार किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा इस लूठ व गबन का खुलासा करते हुए बताया कि अति. पुलिस अधीक्षक आदर्श चौधरी व निवाई वृताधिकारी महावीर सिंह और थानाधिकारी हरिपाल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अनुसंधान कार्य किया तो खुलासा हुआ कि जुठाई गई सूचना एवं संदिग्धता के आधार पर परिवादी से पूछताछ की गई, जिसमें एस.के. फाईनेन्स कम्पनी का केशियर गौरव पिछले कई महिने से केशियर का कार्य कर रहा है, जिसने फाईनेन्स कम्पनी की राशि को स्वयं के इस्तेमाल में व मित्रों को देने में तथा जुआ खेलने में खर्च किया गया है तथा आरोपी गौरव फाईनेन्स कम्पनी के एजेन्टो द्वारा दी गई जमा राशि की रसीदें उसके लेपटॉप द्वारा फर्जी रसीदें बनाकर दिये जाना बताया है। इय गबन को छुपाने के लिए उसने झूठे घटनाक्रम का मामला दर्ज कराया है।

घटना के समय आरोपी द्वारा सात लाख रूपये होना बताया गया था, जबकी आरोपी से 77000 रूपये नगद एवं उसका लेपटॉप बरामद किया गया है तथा उसकी पे अकाउन्ट में जमा होना बताया गया है। गिरफ्तार आरोपी गौरव पुत्र छत्रधारी ब्राहम्ण उम्र 30 साल निवासी मायलाकुण्ड गर्ल्स स्कूल के पास वार्ड न. चार के पास कस्बा निवाई का निवासी है।

सीटों की बंदरबांट में कौनसा खेमा बाजी मारेगा, कांग्रेस इसमें उलझी है : राठौड़

अजमेर, (कासं)। प्रदेश में आगामी माह में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बुधवार को भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ अपने एक दिवसीय दौरे पर अजमेर पहुंचे। राठौड़ ने अजमेर शहर भाजपा पदाधिकारियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक के पश्चात राठौड़ ने प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस सरकार पर जमकर निधाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की टक्कर कांग्रेस से ही है, प्रदेश कांग्रेस दो गुटों में बटी हुई है। टिकट की बंदरबांट में उलझी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है।

भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने अजमेर में पत्रकार वार्ता की।

भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ अपने एक दिवसीय दौरे पर बुधवार सुबह अजमेर पहुंचे, उन्होंने यहां भाजपा कार्यालय में शहर भाजपा के पदाधिकारियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक पश्चात पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस की टक्कर कांग्रेस से है, कांग्रेस दो गुटों में बंटी हुई है, एक गुट का नेतृत्व सचिन पायलट कर रहे हैं, तो दूसरे गुट का नेतृत्व मुख्यमंत्री गहलोत कर रहे हैं। टक्कर इस बात की है सीटों की बंदरबांट में कौन सा खेमा बाजी मरेगा। जिसका नमूना अजमेर में पिछले दिनों देखने को मिला था, जहां एक समारोह में महेंद्र सिंह रलावता और धर्मेंद्र राठौड़ के समर्थकों के बीच लात घूंसे चले थे।

पायलट की खामोशी आने वाले तूफान का संकेत :- मीडिया को सवालों का जवाब देते हुए नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस में सचिन पायलट ने अपमान की राजनीति सही है जिसे कोई भूल नहीं सकता। जब किसी को भ्रष्ट, नालायक और निकम्मा कहा जाए तो ऐसा अपमान कोई सहन नहीं कर सकता। पायलट की खामोशी आने वाले तूफान से पहले की शांति है।

भाजपा में सब की राय के अनुसार टिकट वितरण :- राठौड़ ने कहा कि भाजपा में एक ही गुट है वो नरेंद्र मोदी गुट है। टिकट वितरण पर राठौड़ ने कहा कि कार्यकर्ता ही हमारा कैटेगरी है। भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं और मंडल स्तर से लेकर जिला स्तर तक और प्रदेश स्तर तक पारदर्शिता तरीके से सब की राय के अनुसार टिकट वितरण होता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ईडी की छापेमारी पर दिए गए बयान पर राठौड़ ने जवाब देते हुए कहा कि यदि कोई ईडी की रेड उनकी निगाहों में गलत है तो तथ्यों के आधार पर सामने आकर क्यों नहीं कहते। मुख्यमंत्री को आगे आकर कहना चाहिए कि अब तक ईडी ने जितनी रेड की है यह गलत है। एक बात जरूर मुख्यमंत्री कहते हैं जल जीवन मिशन के अंदर राजस्थान में सर्वाधिक घोटाला हुआ। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार पूरी तरह विफल रही है।

युनूस चौपदार ने आमरण अनशन स्थगित किया

अधिकारियों से वार्ता के बाद मिले आश्वासन के बाद सामाजिक कार्यकर्ता युनूस चौपदार ने अनशन स्थगित किया।

उदयपुर, (कासं)। कथित रूप से जनजाति विभाग में फर्नीचर खरीद-फरोख्त मामले में हुए घोटाले को लेकर विगत दिनों से आमरण अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता युनूस चौपदार ने बुधवार को अपना आमरण अनशन स्थगित कर दिया है।

चौपदार के अनुसार जनजाति विभाग के आयुक्त ताराचंद मीणा, अतिरिक्त आयुक्त प्रभा गौतम तथा पुलिस उप अधीक्षक चांदमल सिंगारिया से वार्ता व उनसे मिले आश्वासन के बाद बुधवार को अनशन स्थगित किया गया है। चौपदार ने बताया कि आश्वासन के अनुसार अगर दो अक्टूबर 2023 तक इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं होने पर मैं पुन: अपने परिवार के साथ सत्याग्रह पर बैठूंगा।

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर 189 दिन से धरना जारी

धरनार्थियों ने नारेबाजी करते हुए मालपुरा को जिला बनाने की मांग की

मालपुरा, (निसं)। जिला बनने सभी मापदण्डों से परिपूर्ण होने के बावजूद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मालपुरा को जिला की घोषणा नहीं करने पर जिला बनाओं कोर कमेटी के बैनर तले शुरू किया गया अनशन व धरना बुधवार को 189वें दिन भी जारी।

धरना स्थल पर बैठे शहर के वरिष्ठजनों एवं महिलाओं सहित सभी राजनैतिक दलों से सम्बन्ध रखने वाले नेताओं ने एक स्वर में नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री से मालपुरा को जिला बनाने की मांग की। बुधवार को धरना स्थल पर बैठे कोर कमेटी के पदाधिकारियो एवं धरनार्थियों ने बताया कि कांग्रेस की परम्परागत सीट होने के बावजूद मुख्यमंत्री ने मालपुरा क्षैत्रवासियों के हितों के साथ कुठाराघात कर दलगत राजनीति का शिकार बनाया है।

मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना जारी है।

मालपुरा से भाजपा का विधायक होने के चलते मुख्यमंत्री ने मालपुरा की जनता से सौतेला व्यवहार कर दूदू जैसी ग्राम पंचायत को जिला बना दिया गया, जबकि मालपुरा जिला बनने की सभी मापदण्डो पर खरा उतरता है। अतिसंवेदनशील मालपुरा मे उपजिला कलेक्टर सहित एएसपी, डीवाईएसपी, एसडीएम, एडीएम स्तर के अधिकारियों के कार्यालय संचालित है। एडीजे कोर्ट ने न्यायिक अधिकारी पदस्थापित है। शहर से होकर दूदू छाण व जयपुर भीलवाडा स्टेट हाईवे गुजर रहे है। जयपुर से महज 90 किमी. की दूरी पर मालपुरा होने के बावजूद जिला नहीं बनाया गया।

तलाशी में पांच वाहन व 60 लाख की नकदी बरामद

उदयपुर, (कासं)। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान पांच वाहनों को जब्त कर 60 लाख रूपये नकदी बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक भूवन भूषण यादव के निर्देश पर पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के नेतृत्व में गठित दल ने आगामी विधान सभा चुनावों के मद्देनजर मंगलवार रात में विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान अवैध मादक पदार्थ पीकर वाहन चलाने, अवैध नकदी, अवैध हथियार की धरपकड़ के लिए वाहनों की तलाशी शुरू की। इस दौरान सीओं पूर्व सर्कल में करीब 250 दुपहिया वाहन, 100 से अधिक हल्के मीडियम वाहनों को चैक किया। प्रतापनगर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत के नेतृत्व में गठित दल ने 20 वाहनों की तलाशी की। इस दौरान एक कार में रखे कर्टन की तलाशी ली तो उसमें 60 लाख रूपये नकदी मिली। इस पर वाहन मालिक विशाल मेहता ने पूछताछ में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया।

दो हजार किलो विस्फोटक पदार्थ बरामद, दो गिरफ्तार

पिकअप में अवैध अमोनियम नाइट्रेट के कट्टे भरे थे

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर सदर थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्यवाही करते हुए दो हजार किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट (विस्फोटक पदार्थ) बरामद करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मुलजिमों द्वारा उक्त विस्फोटक पदार्थ को अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था।

पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद ने बताया कि सदर थानाधिकारी किशनसिंह को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि बाड़मेर शहर से महाबार की तरफ पिकअप में अवैध अमोनियम नाइट्रेट के कट्टे भरे हुए आ रहे हैं। जिस पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए महाबार रोड़ की तरफ नाकाबंदी कर दी। नाकाबंदी के दौरान उक्त वाहन आता हुआ दिखाई दिया जिसको रुकवाकर तलाशी ली तो गई तो उसमें चालीस कट्टों में भरा हुआ दो हजार किलोग्राम अवैध अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ।

पुलिस ने पिकअप जब्त कर विस्फोटक पदार्थ बरामद करते हुए वाहन चालक राजेश विश्नोई पुत्र जैताराम निवासी खेडी सालवा पुलिस थाना डांगियावास, जोधपुर हाल राजीव गांधी कॉलोनी, पुलिस थाना देवनगर, जोधपुर और उसके साथी धीमा राम पुत्र हरलाल विश्नोई निवासी चौहानो की ढाणी धवा पुलिस थाना झवर जोधपुर शहर को गिरफ्तार किया व विस्फोटक पदार्थ बरामद अधिनियम में प्रकरण दर्ज किया। मामले में अग्रिम अनुसंधान एवं पूछताछ की जा रही है।

हथियार सहित एक गिरफ्तार

चार अवैध पिस्टल, मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर जिले में आगामी विधानसभा चुनावों के मध्यनजर पुलिस द्वारा अवैध शराब, मादक पदार्थ, हथियार व विस्फोटक पदार्थ की धरपकड के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह व वृताधिकारी आनंद सिंह के सुपरविजन में सदर पुलिस थानाधिकारी किशनसिंह मय पुलिस टीम और जिला स्पेशल टीम ने मुखबिर की इत्तिला पर कार्यवाही करते हुए एक मुल्जिम को अवैध पिस्टल, मैगजीन व जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद ने बताया की जिला स्पेशल टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की ठाकराराम नाई निवासी रामदेरिया जो की अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त का धंधा करता हैं, वह अपने पास भारी मात्रा में अवैध हथियारों को लेकर धोरीमन्ना रोड से बाडमेर शहर की तरफ आ रहा हैं। जिस पर डीएसटी टीम व सदर थाना पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करते हुए नेशनल हाईवे 68 पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान उक्त मुल्जिम ठाकराराम पैदल आ रहा था और पुलिस को देखकर भागने लगा जिस पर पुलिस ने पीछा करते हुए मुल्जिम को दस्तयाब किया।

पुलिस को मुल्जिम की तलाशी में एक थैला मिला जिसमे चार अवैध पिस्टल, चार मैग्जीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी ठाकराराम पुत्र पताराम नाई निवासी रामदेरिया काश्मीर, पुलिस थाना शिव, बाडमेर को गिरफ्तार करते हुए आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया। आरोपी से उक्त हथियारों के खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

उपराष्ट्रपति ने किए ब्रह्मदेव के दर्शन

बालोतरा, (निसं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान बुधवार को आसोतरा पहुंचे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ 4.30 बजे वायुमार्ग से भगवान ब्रह्मा के दर्शन हेतु श्री खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा पहुंचे।

श्री खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा पहुँचकर उन्होंने भगवान ब्रह्मदेव के दर्शन कर मन्त्रोचार के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने पूजा कर राष्ट्र में शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर का भ्रमण कर मंदिर की सुंदरता को निहारा। उपराष्ट्रपति ने गादिपती तुलसाराम महाराज से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी और सांसद देवजी भाई पटेल भी साथ रहे।

मुख्यमंत्री ने बाबा श्याम के दर्शन किए

खाटूश्यामजी, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को खाटूश्यामजी पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने सीएम को पूजा अर्चना करवाकर श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया।

इस दौरान देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत, कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, क्षेत्रीय विधायक वीरेन्द्र सिंह, नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, जिला प्रवक्ता गोविंद पटेल भी मौजूद थे। इससे पूर्व रींगस रोड स्थित हेलीपेड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचे। मुख्यमंत्री हेलीपैड पर उतरकर सीधे कार से रवाना हुए। मुख्यमंत्री ने एक दो कार्यकर्ताओं से हाथ मिलाकर गाड़ी से ही अभिवादन स्वीकार किया। हेलीपैड पर सीकर विधायक राजेन्द्र पारीक, फूल सिंह ओला, श्याम सुंदर पुनिया, विधायक महादेव सिंह खंडेला सहित अनेक नेता मौजूद रहे। मीडिया के राजनीतिक प्रश्न करने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज धार्मिक यात्रा पर आया हूं। यहां कोई राजनीतिक बात नहीं है। मुख्यमंत्री के खाटूश्यामजी दौरे के दौरान खंडेला, सीकर, नीमकाथाना व दांतारामगढ़ विधायक, युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लाम्बा तथा प्रदेश कार्यकारिणी से फूलसिंह ओला व रमेश खंडेलवाल के साथ ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनिता गठाला हैलीपेड पर मौजूद रहे लेकिन मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मूकदर्शक रहे।

रीट भर्ती-2018 में शेष रहे पदों पर नियुक्ति की मांग

- **तीन महिलाओं समेत नौ अभ्यर्थी पानी की टंकी पर चढ़े, राज्य सरकार के खिलाफ जताया विरोध**
- **अभ्यर्थियों ने बताया कि रीट भर्ती 2018 में एमबीसी वर्ग के लिए 372 पद रिजर्व रखे गए थे**

बयाना (निस)। समझौते की पालना में रीट भर्ती-2018 में शेष रहे 372 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर एमबीसी वर्ग के 9 अभ्यर्थी बुधवार को बयाना के कुंडा टेक स्थित जलदाय विभाग की पानी की टंकी पर चढ़ गए। पानी की टंकी पर चढे इन अभ्यर्थियों में तीन महिला अभ्यर्थी भी शामिल हैं।

रीट अभ्यर्थियों के पानी की टंकी पर चढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर मौके पर एडीएम भरतपुर रतनलाल स्वामी, एसडीएम अमीलाल यादव, तहसीलदार अमित शर्मा, नायब तहसीलदार ममता चौधरी, रुदावल व उच्चौन के पुलिस उपाधीक्षक सब इंस्पेक्टर जयप्रकाश परमार, पीएचईडी के जेईएन राजेश मीणा एवं एडीएफ के जवान भी मौके पर पहुंचे। एडीएफ के जवानों ने टंकी के नीचे चारों तरफ नेट लगा कर स्थान को सुरक्षित कर लिया है। जिससे कोई हादसा नहीं हो सके। प्रशासन के अधिकारी रीट अभ्यर्थियों से पानी की टंकी से नीचे उतरने को लेकर समझाइश की। अधिकारियों का कहना है कि उनकी बात को तत्काल जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्य सरकार तक पहुंचाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब 11:15 बजे रीट भर्ती परीक्षा 2018 के 9 अभ्यर्थी नियुक्ति की मांग को लेकर कुंडा टेक स्थित पंप हाउस पर तैनात कर्मचारियों की निगाह बचाकर टंकी पर चढ़ गए। यह अभ्यर्थी टंकी पर चढ़कर गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक रहे स्वर्गीय कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के जयकारे लगाते हुए राज्य सरकार से नियुक्ति की मांग की। टंकी पर चढे अभ्यर्थियों ने रोष जताते हुए बताया कि रीट भर्ती 2018 में एमबीसी वर्ग के लिए 372 पद रिजर्व रखे गए थे।

साल 2020 में गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति और राज्य सरकार के बीच समझौता हुआ था। उसमें शेष 4 प्रतिशत आरक्षण के हिसाब से 372 पदों पर एमबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर सहमति बनी थी और 7 दिन में नियुक्ति देने का वादा किया गया था। लेकिन अभी तक नियुक्ति नहीं दी है। तहसीलदार अमित शर्मा ने बताया कि रीट अभ्यर्थियों की मांग को जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्य सरकार को भेजा जाएगा। रीट अभ्यर्थियों का टंकी पर चढ़ कर इस तरह विरोध प्रदर्शन करना उचित नहीं है। प्रतिनिधिमंण्डल ने जिला कलेक्टर लोकबंधु से भी इस मामले को लेकर वार्ता की है।

गहने और नकदी चुराने के मामले में दो गिरफ्तार

- **पुलिस ने 50 कैमरे खंगाले, जोधपुर से पकड़े आरोपी**

पाली, (नि.सं.)। पाली के टेगौर नगर में एक ज्वैलरी शॉप के ताले तोड़े सोने-चांदी के गहने और 27 हजार रुपए नकद चुराकर ले जाने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे रिमांड के दौरान पुलिस चोरी का माल बरामद करने का प्रयास करेगी। मामले में एक आरोपी फरार है जिसकी पुलिस तलाश में है।

कोतवाल अनिल कुमार विश्नोई ने बताया कि मामले में जोधपुर के सूरसागर थाना क्षेत्र के नई भाकरी बिजली घर के पास रहने वाले 20 साल के भरत पुत्र बाबूलाल भील और बिजली घर के पीछे नई भाकरी सूरसागर बाइपास निवासी 57 साल के रूपेश कुमार उर्फ जावेद उर्फ घी वाला बाबा पुत्र रमेश कुमार ब्राह्मण को गिरफ्तार किया। आरोपी बस से 12 सितम्बर को दिन में अपने एक साथी के साथ पाली आए। दिन में इन्होंने टैगोर नगर पारस नगर स्थित पारस ज्वैलर्स की रैकी की और देर रात को दुकान से चोरी कर रोडवेज बस स्टेशन से बस पकड़कर वापस जोधपुर चले गए। पुलिस ने 50 से ज्यादा खंगाले तब जाकर इनकी पहचान हो सकी। इन्हें जोधपुर से पकड़कर लाए। पूछताछ में इन्होंने ज्वैलरी शॉप से चोरी करना स्वीकार की। इस पर इन्हें गिरफ्तार किया। रिमांड के दौरान चोरी का माल बरामद करने का प्रयास किया जाएगा। आरोपी भरत के खिलाफ 7 और रूपेश के खिलाफ नकबजनी के 4 मामले पहले से दर्ज हैं।

जानकारी के अनुसार ज्वेलर शॉप के ऑनर ओमकार सिंह उर्फ जनबहादुर सिंह पुत्र नारायण सिंह ने रिपोर्ट थी। जिसमें बताया था कि 12 सितम्बर की देर रात को पारस नगर (टैगोर नगर) स्थित उनकी पारस ज्वैलर्स शॉप के ताले तोड़ चोर करीब 7 किलो चांदी और 4-5 तोला सोने के गहने और 27 हजार रुपए चुराकर ले गए थे। घटना शॉप में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सार-समाचार

किशोरी शैक्षिक उत्सव आयोजित

रतनगढ़ (निसं)। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर के निर्देशानुसार स्थानीय सीबीईओ कार्यालय द्वारा ब्लॉक स्तरीय किशोरी शैक्षिक उत्सव बुधवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रकाश में आयोजित हुआ। उत्सव में उच्च प्राथमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय जोन में विविध विषयाधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें छात्रा संभागियों ने स्वनिर्मित मॉडल, चार्ट, स्टाल आदि का प्रदर्शन किया। इससे पूर्व दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम प्रभारी आरपी नंदलाल स्वामी ने कार्यक्रम का उद्देश्य प्रकट किया। विभागीय प्रतिनिधि आरपी पवन जोशी के आतिथ्य में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें प्रतियोगिता के सभी छह जोन में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर आरपी पवन जोशी ने कहा कि विभाग द्वारा प्रतिवर्ष किशोरी शैक्षिक उत्सव बालिका सशक्तिकरण की दिशा में महत्त्वपूर्ण आयोजन है। प्राचार्य विक्रम सिंह चौहान और उप प्राचार्य राजेंद्र कुमार ने शाब्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथि प्रधानाचार्य पंकज कुमार बिरमसर और गिरधारीलाल स्वामी बुधवाली ने भी विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में व्याख्याता ममता शर्मा, रमेश कुमार नवल, अंजू चौहान, सुनीता गुरावा, नंदलाल नाई और लविका शर्मा निर्णायक थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राकेश गहलोत ने किया।

113 मरीजों की मोतियाबिंद की जांच की

रतनगढ़ (निसं)। रतनगढ़ नागरिक परिषद कोलकाता, स्व.पुष्पा देवी पत्नी स्व.ओमप्रकाश सराफ की स्मृति में उनके पुत्र विशंभर दयाल सराफ व पौत्र राहुल सराफ द्वारा शंकरा आई हॉस्पिटल व जिला अंधता निवारण समिति, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन बुधवार को माहेश्वरी भवन में हुआ। शिविर में 113 मरीजों की मोतियाबिंद जांचकर 47 मरीजों का चयन नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। वहां उनका ऑपरेशन गुरुवार को आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके का किया जाएगा। शिविर शुरू होने से पूर्व भगवान शंकर की प्रतिमा के आगे समाजसेवी प्रवीण जैन ने दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया। परिषद के प्रतिनिधि एडवोकेट रजनीकांत सोनी ने आगंतुक अतिथियों का अभिनंदन किया। शिविर में शकरा आई हॉस्पिटल की टीम, परिषद के महेश भुवालका, हरिगोपाल कड़ेल, विनोद डागा, दीपक मुरारका, मनीष सराफ, मनोज जोशी, ललित चौधरी, नरेंद्र झवर, रामअवतार चांडक, मांगीलाल स्वामी, पूर्णमल कम्मा, महावीर प्रसाद रामगढ़िया, ओम सारस्वत सूरेश मुरारका, कमल सोनी, दीनदयाल खेतान, ललीत चौधरी, अशोक कुमार आदि ने अपनी सेवाएं दी। इस अवसर पर नगर के अनेक व्यक्ति व सैकड़ों मरीज उपस्थित थे।

कैमिकल से भरा टैंकर पलटा, चालक जिंदा जला

सादुलपुर (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित हडियाल और रतनपुरा गांव के बीच होटल रघूवान के सामने मंगलवार रात्रि 7.46 बजे लगभग केमिकल से भरा एक टैंकर पलट गया और आग लग गई। देखते-देखते ही टैंकर धु-धु कर जलने लगा। घटना के बाद तारानगर थाना पुलिस, दुधवा खारा थाना पुलिस एवं राजगढ़ थाना पुलिस एवं फायर ब्रिगेड भी और आपातकाल एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच चुकी है तीनों मौके पहुंच गई हैं। वहीं घटना को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुजरने वाले वाहन चालकों में भय माहौल बन गया। आसपास सडक पर स्थित होटलों में भगदड सी मच गई। घटना के बाद सडक के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। वहीं प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार टैंकर का टायर फट गया जिसके कारण टैंकर पलट गया। लोगी ने बताया कि एक व्यक्ति टैंकर में अन्दर ही जल गया और राख बन गया, दुसरे व्यक्ति के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। टैंकर में केमिकल भरा होना बताया गया है। जिसके कारण आग लग गई। वहीं धु धु कर जल रहे टैंकर के पास पहुंचने की हिम्मत नहीं हो रही है। हालांकि फायर ब्रिगेड के द्वारा आग पर काबू पा लिया गया है। समाचार अपडेट किये जाने तक टैंकर में सवार चालक के साथ अन्य कोई था या नही कोई पता नहीं चल सका है। आग बुझाने के बाद ही और जांच के बाद ही घटना तथा टैंकर में सवार लोगों का पता चल सकेगा।

मारपीट का मामला दर्ज

पाटन (निसं)। थोई थाने में दो बहनों के साथ मारपीट का प्रकरण दर्ज हुआ है। ममता सैनी पुत्री स्वर्गीय अमरचंद सैनी ढाणी खात्यीयावाली ने रिपोर्ट में लिखा है कि मेरे ताऊजी बोदूराम सैनी की पुत्रवधू भगोती देवी पत्नी छीगन लाल सैनी, कंचन देवी पत्नी मुकेश सैनी, पूजा सैनी व ज्योति सैनी पुत्री छीगन लाल सैनी आए दिन हमारे साथ बेवजह मारपीट करते हैं तथा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। यही नहीं उनके ही परिवार के नाबालिक बच्चे भी हमारे घर में आकर हमारे साथ गाली गलौज करते हैं तथा पत्थरों से मारपीट करते हैं। मेरे ताऊजी हमारे घर में जाने वाले रास्ते को बंद करने की धमकी देते हैं। रविवार को मैं और मेरी छोटी बहन सुमन हमारे घर पर अकेली थी, इन लोगों ने एक राय होकर घर में घुसकर हमारे साथ मारपीट की एवं गाली गलौज की। मजबूर होकर उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कांस्टेबल प्रभू राम को सुपुर्द की है तथा जांच कर कार्यवाही करने के आदेश दिए हैं।

'आचार्य भिक्षु के पास सत्य का संग्रह था'

बीदासर (निसं)। तेरापंथ भवन के मघवा समवसरण में बुधवार को आचार्य महाश्रमण की सुशिष्या साध्वी रचनाश्री के सानिध्य में भिक्षु चरमोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर साध्वी रचनाश्री ने कहा कि बोध साहित्य में बताया गया है कि महापुरुष चार बल के आधार पर शिखर पर पहुंच थे। पहला बल है प्रज्ञा का बल है, दूसरा वीर्य बल, तीसरा अनवध बल और चौथा बल है संग्रह का बल। आचार्य भिक्षु के पास सत्य का संग्रह था, ज्ञान का संग्रह था और निर्मल चरित्र का संग्रह, इन चार बलो के कारण आचार्य भिक्षु ने अध्यात्म के ऊँचे शिखर पर आरोहण किया। कार्यक्रम में साध्वी जयंतयशा, लब्धियशा, गीतार्थप्रभा ने विचार और गीत के माध्यम से प्रस्तुति दी। महिला मण्डल की मंत्री भावना दुगड, चंदा देवी संचेती, कन्या मण्डल की सयोजिका खुशबु दुगड, सुमन देवी सेठिया ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का शुभारम्भ महिला मण्डल के मंगलाचरण से हुआ। कार्यक्रम का संचालन साध्वी कौशलप्रभा ने किया।

आरोग्य मेले का आयोजन

पाटन (निसं)। निकटवर्ती ग्राम काचरेडा के आयुष हॉस्पिटल में आज आरोग्य मेले का आयोजन किया गया ।औषधालय के चिकित्सा अधिकारी कैलाश चंद शर्मा ने बताया की आयुष हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर राजकीय आयुर्वेद सेन्टर में आज बुधवार को आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार की जांच कर औषधीय दी गई ।जांच में मलेरिया, हीमोग्लोबिन, ब्लड जांच ,शुगर जांच आदि की गई । आरोग्य मेले में 30 से अधिक रोगियों की विभिन्न प्रकार की जांच की गई।विभाग के योग प्रशिक्षक संदीप नेहरा व ताराबाई द्वारा योग कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें विभिन्न प्रकार के योग द्वारा स्वस्थ रहने के गुर सिखाए गये।इस अवसर पर देवेंद्र कुमार जांगिड, एएनएम तमन्ना, जितेंद्र शर्मा, सुमन,सुनीता शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पोषण मेला आयोजित

बिसाऊ (निसं)। बिसाऊ में महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अलसीसर की ओर से पोषण मेला का आयोजन न्यू राजस्थान कॉलेज में बिसाऊ में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉक्टर प्रताप सिंह सिहाग वह डॉक्टर अभिषेक चिकित्सा प्रभारी बिसाऊ, श्रीमती विनोद सियाग, एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी अमिता गेट थी इस अवसर पर मतदाता जागरूक व पोषण अभियान की रैली का फिता काटकर शुभारंभ किया गया मिशन सी साला पूर्व शिक्षा पोषण आहार व पी एम वाई अभियान आदि की प्रदर्शनी की गई महिलाओं की गोद भराई एवं अनपाशन प्रवेश उत्सव करवाया गया किसके साथ संस्कृत के कार्यक्रम व विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को सम्मानित भी किया गया मंच संचालन लक्ष्मीकांत रामावत ने किया इस अवसर पर बृजेश जी महेंद्र जी सेन अशोक,भारती, नीरज, दीपिका, अंजू, विमल आदि उपस्थिति रही एवं समस्त कार्यकर्ता भी उपस्थित रही।

भण्डारे व जागरण का आयोजन

बीदासर (निसं)। कस्बे के वार्ड तीन स्थित भैंरूजी की गली स्थित तोलियासर भैरूजी मंदिर में भादवा बदी की तेरस के उपलक्ष में बालचंद नोरतमल सेठिया के सौजन्य से मंदिर प्रांगण में भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। भण्डारे के पश्चात रात्रि में मंदिर प्रांगण में महाजागरण का आयोजन किया गया।

वैदिक गौ संत सम्मेलन में संतों का आव्हान 'वेद बिना मति नहीं, गाय बिना गति नहीं'

सीकर, (निसं)। शहर के रामलीला मैदान में चल रहे श्रीलक्ष्मी गौपुष्टि महायज्ञ बुधवार को देशभर से आये संतों व महामंडलेश्वर ने गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की।

संतों ने गाय प्रकृति पर्यावरण और राष्ट्र रक्षा के लिए कहा कि जनता को गाय प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना होगा। संतों ने कहा कि वेद बिना मति नहीं गाय बिना गति नहीं। महामंडलेश्वर अखिलेश्वर दास ने सनातन का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां सनातन विद्यमान है, वहां सत्य है, धर्म है और जहां सत्य धर्म होगा वहां राष्ट्र का भाव होगा और राष्ट्र भाव वाले ही सनातन की गाय प्रकृति पर्यावरण और गो का संरक्षण करेंगे। यज्ञ हमें समरसता सिखाता है जहां त्रेता के राम की तरह चारो वर्णों ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र में बिना भेद के एक साथ मिलकर यज्ञ में आहुतियां देकर गाय, प्रकृति, पर्यावरण और राष्ट्र रक्षा के संकल्प का शंखनाद हो रहा है। इस शंखनाद की भावना हमारे सनातन में ही है। जगद्गुरु राम दिनेशाचार्य महाराज अयोध्या ने कहा की देश में रामंदिर का निर्माण, धारा 370 का हटना व काशी विश्वनाथ कारिडोर सनातन का प्रभाव है। उन्होंने कहा कि विज्ञान का सार वेदों से ही निकला है।

भारतीय पुरातन ज्ञान विज्ञान व ऋषि परंपरा को समझने के लिए वेद अध्ययन आवश्यक है। भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए पुरातन परंपरा, वेद, उपनिषद की ओर लौटना होगा। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरीशंकर दास जी महाराज ने संबोधित करते हुए कहा कि जहां गाय यज्ञ हैं वहां सनातन है। और सनातन अजर अमर है उसे कोई मिटा नहीं सकता।

आयोजन समिति के सहसंयोजक अधिवक्ता हनुमान सिंह पालवास ने बताया की करणी गोपाल गौ धाम पालवास के पीठाधीश्वर चन्द्रमादास महाराज एवं बवालिया बाबा के अनन्य भक्त गोसेवक प्रकाश महाराज सहित संतों के सानिध्य में चल रहे नौ कुण्डिय महायज्ञ में बुधवार को वैदिक गौ संत सम्मेलन में अग्रपिठाधीश्व राघवाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर धर्माचार्य अखिलेश्वरानंद महाराज अहमदाबाद, जगतगुरु रामदिनेश आचार्य महाराज अयोध्या, गौरी शंकर महाराज राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद, मनीषदास महाराज पत्थर मंदिर अयोध्या, महामंडलेश्वर हरिशंकर दास महाराज, महामंडलेश्वर जनदिन दास, महामंडलेश्वर गिरीश दास, संत कुमार शरण, महामंडलेश्वर रामदास, जैन साध्वी सरिता दीदी, साध्वी बबिता दीदी, महंत विष्णुदास, शिव हनुमान मंदिर जयपुर के अवधेश दास, महंत अच्युत बलरामदास, महामंडलेश्वर सरजू, मदन मोहन दास, रामकुमार दास, अनिल दास हनुमानगढ़ी अयोध्या मठ, ओमदास सांगलिया, मनोहर शरणदास, मोती नाथ काछवा, निश्चलनाथ चुवास, महावीर जति, ध्यान नाथ नागवा, महामंडलेश्वर ओमकारदास पहाड़ी बाबा विदिशा मध्य प्रदेश, वृंदावन से कृष्णागिरी सहित दर्जनों संत धर्माचार्यों ने श्री लक्ष्मी गो पुष्टि महायज्ञ में पहुंचकर वैदिक सनातन संस्कृति गाय प्रकृति पर्यावरण और प्राणी मात्र के कल्याण हेतु अपने प्रवचनों से जनता को जागृत करने का प्रयास किया।

संतों के सीकर पहुंचने पर मुख्य यजमान, स्वागत अध्यक्ष, आयोजन समिति मंडल द्वारा महंत चंद्रमा दास महाराज के नेतृत्व में भव्य पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया।

इस दौरान बाहर से आने वाले सभी संतो का शाल व श्रीफल देकर आयोजन स्वागत समिति की तरफ से सम्मान सत्कार किया गया। गौपुष्टि महायज्ञ की पूर्णाहुति गुरुवार को होगी तथा संत विदाई दी जायेगी।

रामलीला मैदान में चल रहे श्रीलक्ष्मी गौपुष्टि महायज्ञ में देशभर से आये संतों व महामंडलेश्वर ने गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की।

■ गौपुष्टि महायज्ञ में वैदिक गौ संत सम्मेलन हुआ

'लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवा सक्रिय भागीदारी निभाएं'

सीकर, (निसं)। मालियों की ढाणी हर्ष में राजकीय विद्यालय के खेल मैदान में विवेकानंद युवा मंडल हर्ष के संयोजन में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए जिला परिषद सीईओ राकेश कुमार गढवाल ने कहा कि जिन युवाओं की 1 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने जा रही है वह मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाएं।

उन्होंने उपस्थित युवाओं व ग्रामीणजनों से अधिकाधिक लोगों को मतदान में भागीदारी के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। इस दौरान मतदाता सूची में पंजीयन के लिए वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से मतदाताओं का रजिस्ट्रीकरण करना, मोबाइल नंबर आधार नंबर लिंक करने की प्रक्रिया एवं नाम संशोधन व मतदाता का एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण पर चर्चा की गई। इस दौरान धोद एसडीएम कुणाल राहड़, युवा जिलाधिकारी मोहित कुमार, सुरेश ओला एप स्पेशलिस्ट, डॉ. संजय खीचड़, नेशनल यूथ अवॉर्डी स्वदेश पूनिया, मदन लाल कुमावत व्याख्याता, भगवाना राम सैनी व्याख्याता, पोखरमल प्रधानाध्यापक, भोलाराम गुर्जर, समाज सेवी महावीर पारीक, राधेश्याम सैनी, मधुबाला, किशोर गुर्जर, बेगाराम, ओमप्रकाश, रक्तप्रेरक मुकेश सैनी, सुनील सैनी, स्वयंसेवक गोविंद सैनी, प्रमोद सुविल, बजाज फाउंडेशन से सुरेंद्र राजोरिया, शंकर लाल सैनी सहित गांव के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने श्याम दरबार में शीश नवाया

सीकर, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को जिले के खाटूश्यामजी मंदिर में पूजा दर्शन कर देश-प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की।

श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को विधिवत पूजा करवाकर श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर व श्याम प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत व सम्मान किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने श्रृद्धालुओं के लिए खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन के लिए की गई व्यवस्थाओं के लिए श्याम मंदिर कमेटी की सराहना की।

मुख्यमंत्री हेलिकॉप्टर से सालासर पहुंचे:- हेलीपैड पर महिला आयोग अध्यक्ष रेहाना रियाज, सादुलपुर विधायक कृष्णा पूनिया, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष खानूखान बुधवाली, सरदारशहर विधायक अनिल शर्मा, सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल, तारानगर विधायक नरेंद्र बुडानिया, भंवरलाल पुजारी, जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग, एसपी राजेश मीणा ने मुख्यमंत्री की अगुवानी की।

सीएम को जल्दी जयपुर के लिये निकलना था, इसलिए आम कार्यकर्ताओं से मुलाकात नहीं कर पाये।

कार्यकर्ता सुबह से मुख्यमंत्री से मिलने के लिये कतार में लगे हुये थे, परन्तु सीएम ने गाड़ी से ही हाथ हिला कर कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। इस पर कार्यकर्ताओं को निराश ही वापस लौटना पड़ा।

सीएम गहलोत ने इसके बाद गाड़ी से सालासर बालाजी मंदिर पहुंचकर बालाजी महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान मन्दिर के पुजारी रविशंकर, बबलू, भंवरलाल, यशोदा नंदन, अंकित, मनीष, अरुण आदि ने सीएम गहलोत को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत् पूजा-अर्चना करवाई।

■ श्याम मंदिर में पूजा-दर्शन कर खुशहाली की कामना की

वार्ड 19 स्थित गिंवारिया बस्ती में बाबा रामदेव मंदिर में जागरण आयोजित

चूरू, (कासं.)। वार्ड 19 स्थित गिवारिया बस्ती में बाबा रामदेव मंदिर में मंगलवार रात्रि को भव्य जागरण का आयोजन किया गया। इससे पूर्व बाबा रामदेव की महाआरती की गई।

आरती में चूरू शहर व गिवारिया बस्ती के महिला-पुरुषों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। गायक कलाकार मांगीलाल पुजारी ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मांगीलाल पुजारी ने म्हारो हेलो सुणो नी रामापीर, मारग में रामदेव मिल ग्या, ओ बाबा रामदेव ओ। वहीं कलाकार सुरेश कुमार सैनी ने बाबा रामदेवजी ओ थाने घणी घणी खम्मा, लीले घोड़े रा असवार, हाथ जोड़ ने अरज करूं मैं जैसे भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भाजपा नेता पराक्रम सिंह राठौड़ ने भी कार्यक्रम में शिरकत कर बाबा रामदेवजी की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर विनोद कुमार, राकेश, गोरूराम, मांगीलाल, रामपाल, बिबतीराम, महेंद्र सिंह, अमर सिंह, मक्खनराम, सहीराम, देबूराम, शंकरलाल, दुर्गाराम, भंवरलाल आदि ने जागरण में सहयोगी भूमिका निभाई। विनोद कुमार गिवारिया ने आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

वार्ड 19 स्थित गिवारिया बस्ती में बाबा रामदेव मंदिर में मंगलवार रात्रि को भव्य जागरण का आयोजन किया गया।

युवक ने डरा धमका कर दलित महिला का देह शोषण किया

बीदासर (निसं)। शहरी क्षेत्र की एक दलित महिला ने एक युवक के खिलाफ डरा धमकाकर दुष्कर्म करने और वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी देकर लगातार देह शोषण करने का मामला पुलिस थाना में दर्ज करवाया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार पीड़िता ने पुलिस थाना में रिपोर्ट दी कि युवक एक दिन शाम के समय अंधेरा होने के बाद जबरदस्ती मेरे घर में घुस गया, उस समय मैं घर पर अकेली थी और रसोई में खाना बना रही थी। उसने मुझे पीछे से दबोच लिया और मेरा मुंह बंद कर दिया और मुझे जबरदस्ती घसीटकर कमरे में ले गया, मेरे साथ दुष्कर्म करने की नीयत से जोर-जबरदस्ती की और मेरे कपड़े फाड दिये और मेरे साथ दुष्कर्म किया। मैंने रोला किया तो मेरा गला दबाकर मारपीट की, डराया-धमकाया और जातिसूचक गालियां निकाली। तब उसने मेरे अश्लील फोटो व वीडियो भी बना लिये और मुझे किसी को बताने या पुलिस में शिकायत देने पर वायरल कर बदनाम करने और मुझे व बच्चों को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद युवक लगातार डरा-धमकाकर मेरे साथ देह शोषण करता रहा है और अन्य पुरूषों के साथ नाजायज सम्बन्ध बनाने का दबाव बना रहा है। वह मुझसे जबरदस्ती वैश्यावृत्ति करवाना चाहता है।

26 सितंबर को मैं दोपहर 1 बजे के लगभग अपने घर के बाहर कचरा डालने के लिए गई थी तभी युवक वहां पर मोटर साईकिल लेकर आया और मेरे पर अपने साथ चलने के लिए दबाव बनाने लगा। मेरे द्वारा मना करने और मेरा पीछा छोड देने कहने पर भी नहीं माना और मेरे साथ गाली-गलौच की और जातिसूचक गालियां निकाली और मेरे साथ मारपीट करने लगा और जबदरस्ती अपनी मोटर साईकिल पर बैठाकर ले जाने लगा, तब मेरे द्वारा चिल्लाने पर आस-पडौस के लोगों ने बीच-बचाव कर मुझे छुडाया, तब युवक मोटर साइकिल लेकर भाग गया और जाते-जाते वीडियो वायरल करने और जान से मार देने की धमकी दी। मेरे द्वारा पूर्व में भी एक एफआईआर पुलिस थाना बीदासर में दर्ज करवाई गई थी लेकिन युवक द्वारा मेरे व मेरे परिवार वालों को डराये-धमकाये जाने के कारण उस समय आगे कोई कार्यवाही नहीं करवाई जा सकी। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर एससी एसटी एवं अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अतिक्रमण हटाया

सादुलपुर, (निसं)। नगर पालिका प्रशासन राजगढ ने शहर के वार्ड नंबर 25 में अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है।

वहीं नगरपालिका प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन के साथ जे.सी.बी. मशीन लेकर मौके पर पहुँचे। तथा नगर पालिका की भूमि पर बने अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई कर पानी निकासी हेतु रास्ता खोला गया। इस संबंध में अधिशाषी अधिकारी प्रियंका बुडानिया ने बताया कि मौहल्ला नरडियान में स्थित रेलवे फाटक के पास नगर पालिका की भूमि आम रास्ते पर अतिक्रमण किया गया था। तथा शिकायतों की जाँच के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि रेलवे फाटक से हिसार सडक तक रास्ता खुलवाने के लिए भी अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। तथा रेलवे बाउंड्री के पास रास्ता खुलवाने के लिए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

एएसआई जयवीर पर लोकायुक्त में शिकायत दर्ज

चूरू, (कासं)। स्थानीय कोतवाली में नियुक्त एएसआई जयवीर सिंह पूनिया द्वारा एक आपराधिक मामले में घोर अनियमितताएं बरतने व धारा 161 में आरोपियों को सहयोग देने वाले बयान दर्ज करने तथा नक्शा मौके एवं फर्जी साक्षी दर्ज कर बयान लेने एवं प्रथम सूचना में दर्ज प्रमुख अपराधी को गवाह के रूप में प्रस्तुत करने के बारे में शपथ पत्र सहित ज्ञापन देने पर भी कार्यवाही न करने पर लोकायुक्त कार्यालय जयपुर ने जांच हेतु मामला दर्ज किया है।

इस विषय में तथ्यात्मक तत्य इस प्रकार कि रामदेवरा ग्राम में स्थित विद्यालय में कार्यरत प्रताप ओला मास्टर व उसके पुत्र निखिल व पत्नी मंजू ने नाली के मामले में बनवारी लाल दीक्षित एड़वोकेट के दरवाजे के पास उनके पोते देवेन दीक्षित व माता ईन्द्रा के साथ मारपीट की, जिस पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने हेतु लिखित में देवेन दीक्षित ने दी तो जयवीर पूनिया अपराधी प्रताप ओला जाट को लेकर शिकायत कर्ता के घर समझौते के लिए आए थे। प्रताप ओला व उसके पुत्र निखिल तथा मंजू द्वारा आए दिन ऐसी हरकतों के कारण समझौता नहीं हो सका। इस पर जयवीर पूनिया सहायक थानेदार ने प्रथम सूचना रिपोर्ट लिखने की बजाएं लिखित आवेदन को फेंक दिया और चले गए। उसी वक्त एड़वोकेट बनवारी लाल दीक्षित ने पुलिस अधीक्षक को टेलीफोन से सूचित करने पर आवेदन पत्र के घंटों बाद मामला जानबूझकर देरी से दर्ज किया गया।

जांच अधिकारी जयवीर से न्याय न मिलने पर जांच अधिकारी बदलने का आवेदन देवन दीक्षित द्वारा प्रस्तुत करने पर जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने जांच अधिकारी नहीं बदला। बल्कि जांच अधिकारी बदलने का आवेदन उसे ही पहुंचा दिया गया। जिससे जयवीर पूनिया एएसआई ने नाराज होकर सीआरपीसी की धारा 161 के स्वयं द्वारा गलत ढंग से लिखकर न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत कर दी गई। पुलिस एएसआई की पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत पर कार्रवाई न होने पर लोकायुक्त को मामले की सूचना दी गई।

कलश यात्रा में श्रद्धा का सैलाब उमड़ा

चूरू, (कासं.)। वार्ड 31 स्थित शिव मंदिर में शिव कॉलोनी, शिव मित्र मंडल व गोरख मित्र मंडल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित श्रीमद् भगवत् कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ बुधवार को कलश यात्रा से हुआ।

शिव मित्र मंडल के भगत पवन कुमार सैनी ने बताया कि बुधवार को विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा शिवालय से रवाना होकर विभिन्न मार्गो से होते हुये कथा स्थल पहुंची। कलश यात्रा का नेतृत्व वृंदावन के कथावाचक तेजराम महाराज ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर उत्साह पूर्वक कलश यात्रा में भाग लिया। बुधवार को कथा के मुख्य यजमान पवन कुमार सैनी सपत्निक थे।

■ वार्ड 31 स्थित शिव मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद् भगवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

श्रीमद्भगवत् कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा से हुआ।

सैनी ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी।

कलश यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुरेश कुमार भार्गव, हरीश पारीक, नवरंग लाल सैनी, दिनेश शर्मा, विद्याधर सैनी, किशन प्रजापत, गोपाल शर्मा, महेश राजपुरोहित, रामकिशन, दिनेश कुमार, लक्ष्मण शास्त्री सहित बड़ी संख्या में कॉलोनी के महिला-पुरुष उपस्थित थे।

स्टेशनरी वितरण

सीकर, (निसं)। लियो क्लब सीकर द्वारा स्मृति वन रोड स्थित परमार्थ आश्रम प्रताप नगर में 40 से अधिक बच्चों को स्टेशनरी व अल्पाहार वितरित किया गया।

निविदा सूचना

निविदा क्रमांक: BBC/PM/02 दिनांक 28.09.2023
बांधनी एण्ड बंधेज (टाई एण्ड डाई) क्लस्टर चूरू के अंतर्गत प्लांट मशीनरी के टर्नकी प्रोजेक्ट हेतु इच्छुक सप्लायर से निर्धारित निविदा प्रपत्र में दिनांक 18 अक्टूबर 2023 सायं 5 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट http://www.ppdcagra.dcmsme.gov.in/ tender पर विजिट करें।
(प्रोजेक्ट डायरेक्टर आईएं)

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT SALASAR, P.S. SUJANGARH (CHURU)
क्रमांकः- ग्रा.प./सा./2023-24/1186 दिनांक 26.09.2023
Notice Inviting Bid
Bids for open tender of Gram Panchayat SALASAR Panchayat Samiti SUJANGARH (CHURU) a construction, electrical and mechanical work (construction of biogas plant 85.00 cum) "RS 50.00 lac" is invited from eligible interested bidders for upto 6.00 PM of 05.10.2023 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in of state and at Gram Pancayat SALSAR office in all working days.
NIB NO.: UBN NO.:
VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER GRAM PANCHAYAT SALASAR PANCHAYAT SAMITI SUJANGARH
SARPANCH GRAM PANCHAYAT SALASAR PANCHAYAT SAMITI SUJANGARH

चोरी व नकबजनी की अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा, पांच गिरफ्तार

बदमाशों ने पूछताछ में चोरी की 106 वारदातें कबूली

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान चोरी नकबजनी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग का खुलासा करते हुए पांच जनों को गिरफ्तार किया। वहीं इनके कब्जे से चोरी किया तांबा व स्क्रैप जब्त किया है। बदमाशों ने मकानों, फैक्ट्रियों, ट्रांसफार्मरों, स्क्रेप चोरी की 106 वारदातें कबूली है।

जिला पुलिस अधीक्षक भूवनभूषण यादव ने बतायाकि शहर के बाहरी क्षैत्रो में चोरी व नकबजनी की बढ़ती वारदातें पर अंकुल लगाने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंजीतसिंह, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी हिमांशुसिंह राजावत, देवेन्द्रसिंह उप निरीक्षक प्रभारी डीएसटी के नेतृत्व में गठित दल ने किए गए तकनीकी अनुसंधान के दौरान विद्युत ट्रांसफार्मरों, सूने मकानों से, स्टील व स्क्रेप गोदामों से चोरी करने वाली गैंग के बदमाश माल बेचने के लिए पिकअप वाहन में लेकर डबोक से उदयपुर आने की सूचना मिली।

इस पर पुलिस दल ने नाकाबंदी कर वाहन को रोक उसमें सवार पांच व्यक्ति से पूछताछ की तो अपने नाम रोशनलाल पुत्र सुरजमल गुर्जर निवासी बखता का खेड़ा आसींद भीलवाड़ा, प्रेमलाल पुत्र गेहरीलाल कीर निवासी ज्योति भवन के पीछे डबोक, फतहसिंह पुत्र भंवरलाल

- **25 ट्रांसफामरों से चोरी किया तांबा व 1200 किलो स्क्रेप जब्त**

राजपुत निवासी मेडता कालीमगरी डबोक, शांतिलाल पुत्र भंवरलाल कालबेलिया निवासी भमरासिया थाना डबोक तथा सोहननाथ चौहान पुत्र जीवननाथ चौहान निवासी काजियावास नाथद्वारा राजसमन्द होना बताया।

वाहन की तलाशी में प्लास्टिक के तीन कट्टों में तांबे का स्क्रेप भरा पड़ा था। इस संबंध में पूछताछ करने पर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। सख्ती से की गई पूछताछ में सभी ने उदयपुर, राजसमन्द, भीलवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़ में अलग अलग स्थानो से ट्रांसफार्मरों से कॉपर चोरी, अलग अलग लोहे के कबाड गोदामों तथा मकानों के ताले तोड़ वारदातें करना स्वीकार किया।

आरोपियों के साथी अर्जुन सिंह व अर्जुन कीर फरार है जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने पिकअप वाहन व चोरी किया माल जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में फरार अर्जुनसिंह व अर्जुन कीर का गुजरात से जुड़े है। पुलिस विभिन्न थानों मे दर्ज प्रकरणों तथा आरोपियों के बताए अनुसार मौका तस्दीक करने में जुटी है। आरोपियों ने उदयपुर, जिला, चित्तोड़गढ़, राजसमन्द तथा भीलवाड़ा में अलग अलग स्थानो से करीब 80 डीपी से कॉपर चोरी, 20 मकानों के ताले तोड़ कर सोने चांदी के आभूषण व नकदी चोरी, 15 कबाड के गोदामों से स्क्रेप चोरी करना स्वीकार किया।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि दिन में रैकी कर रात में सूने मकानों, गोदामों के ताले तोड़ कर वारदात करते थे। अर्जुनसिंह व सोहन सिंह लकड़ी से रस्सी बांध कर डीपी के तारों पर फैंक कर शॉर्ट सर्किट करवा कर लाईट बंद हो जाती। कुछ ही समय में में डीपी नीचे गिरा का कॉपर चुरा ले जाते जो अलग-अलग जगहों पर शांतिलाल के घर के पीछे बाड़े में इकठ्ठा करते तथा समय अनुसार बेच दिया करते थे।

अज्ञात की हत्या की वारदात का खुलासा, एक गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। तारागढ़ पहाड़ी के रास्ते पर जघन्य अज्ञात हत्या की वारदात का जिला पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने बताया कि मंगलवार को तारागढ़ जाने वाले रास्ते के पास अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर शव को बोरे में डालकर पहाड़ियों में फेंकने की घटना सामने आई थी। आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए गठित की गई टीम द्वारा मौके पर डॉग स्कॉयड द्वारा मौके पर बिखरे खून के धब्बों से डॉग स्कॉयड के डॉग द्वारा बार-बार पास ही बनी झुग्गी झोपड़ी की तरफ बैठा मोहम्मद जावीर की तरफ जाना व उसके पास जाकर रुक जाना व संदिग्ध को बार बार सूंघने से शंका होने पर मोहम्मद जावीर को दस्तयाब कर गहनता से पूछताछ कर अनुसंधान किया गया। जिससे पूछताछ के दौरान रविवार की मध्य रात्री के समय आपस में कहा सुनी को लेकर गाली गलोच करने पर मृतक इस्लाम उर्फ इम्तेयाज को पास ही बनी दुकान की चबुतरी की पट्टी से दे मारा व गला दबाकर मार दिया।

- **तारागढ़ जाने वाले रास्ते के पास अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर शव को बोरे में डालकर पहाड़ियों में फेंकने की घटना सामने आई थी**

तत्पश्चात आरोपी व उसका दूसरा साथी एक बाबा दोनों ने मिलकर मृतक की पत्थरों से मारपीट कर हत्या कर मृतक की लाश को दो प्लास्टिक के कट्टों में बांधकर तारागढ़ के रास्ते से पहाड़ी की ढलान में झाड़ियों में नीचे की तरफ फेंक दिया। धानास्तर पर गठित टीमों ने मृतक की पहचान के लिये आस पास के हजारों लोगों झुग्गी झोपड़ियों में रहने वालो को फोटो दिखाकर व मृतक की बनी झुग्गी झोपड़ी में मिले कागजात व दस्तावेजों से मृतक इस्लाम उर्फ इम्तेयाज पुत्र अब्दुल सतार निवासी सिपाह इब्राहिमाबाद मज उत्तरप्रदेश के रूप में पहचान हुई है जिसके वारिशान से सम्पर्क किया जा रहा है, मृतक के वारिसान आने पर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाया जायेगा।

''यूथ चला बूथ'' में उत्कर्ष निभाएगा भागीदारी

विद्यार्थियों को बताए जाएंगे मतदान के महत्व

जोधपुर, (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा युवाओं में मतदान करने को लेकर चलाए जा रहे महत्वाकाँक्षी जागरूकता अभियान- 2024 में उत्कर्ष क्लासेस अपनी भागीदारी निभाएगा। ''यूथ चला बूथ'' में उत्कर्ष भागीदारी निभाएगा।

इसके अंतर्गत आज शास्त्री नगर स्थित उत्कर्ष कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में संस्था के गुरुजनों व प्रेरक वक्ताओं द्वारा विद्यार्थियों को मतदान करने के लिए जागरूक किया जाएगा। उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि मतदान करना देश के प्रत्येक मतदाता का न केवल संवैधानिक अधिकार है बल्कि कर्तव्य भी है।

ऐसे में बतौर जिम्मेदार नागरिक देश के सभी युवाओं को मतदान करने के अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ मतदान के महत्व को भी समझने की जरूरत

डॉ. निर्मल गहलोत

है। ऐसे में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किए गए इस जागरूकता अभियान में अपनी भागीदारी निभाते हुए संस्था ने विद्यार्थियों के लिए इस जागरूकता कार्यक्रम को आयोजित करने का निर्णय लिया है।

निर्माणाधीन भवन से सामान चोरी

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस थाना क्षेत्र स्थित प्रगति नगर कोटडा अजमेर में निर्माणाधीन भवन से अज्ञात चोरों ने करीब डेढ लाख रूपए का सामान चुराकर फरार हो गए। क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने मकान मालिक वासुदेव त्रिपाठी की शिकायत पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। वासुदेव त्रिपाठी ने बताया कि उनके नए मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। सुबह जाकर देखा तो यहां से दस एसी की केबल, डायबेटर, नल के सामान चुराकर ले गए। जिनकी अनुमानित करीब डेढ लाख तक थी। इसी प्रकार सिविल लाइंस पुलिस थाना क्षेत्र स्थित नाचन बावडी महेन्द्र नाथ की झोपडी में बीती रात अज्ञात चोरों ने प्रवेश किया ओर लोहे के एक बक्सें को उठाकर दूर ले जाकर उसमें रखे सोने व चांदी के जेवर सहित साढे सात हजार रूपए की नगदी, मोबाइल फोन ओर अन्य सामान चोरी करके ले। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध बजरी दोहन व परिवहन रोकने के लिए यज्ञ

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रदेश में हो रहे अवैध बजरी दोहन व परिवहन को लेकर नागरिक अधिकार मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने आज आर के कॉलोनी, स्थित तालाब की पाल पर चामुंडा माता मंदिर पर सदबुद्धि महायज्ञ किया।

जिले में बजरी का ठेका नहीं होने के बावजूद भी खनिज विभाग पूर्व के ठेकेदारों की मदद से अवैध खनन भारी मात्रा में करवा रहे हैं, खनिज विभाग द्वारा बजरी एवं खनन माफिया से मिलकर हमेशा करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान किया जा रहा है, खनिज विभाग में प्रशासन की मिलीभगत से अवैध बजरी दोहन परिवहन से राजस्व को नुकसान के साथ-साथ पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है यह सब संबंधित विभाग की मिली भगत से हो रहा है। नदियों की वास्तविक स्थिति को बिना ठेके के खनन करना कानूनी अपराध है परंतु खनिज विभाग के अनदेखी से फर्जी टोकन सिस्टम के कारण माफिया करोड़ों की वसूली

प्रदेश में हो रहे अवैध बजरी दोहन व परिवहन रोकने को लेकर नागरिक अधिकार मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सदबुद्धि महायज्ञ किया।

परिवहन करने वाले उपभोक्ताओं व वाहन वालों से कर रहे हैं। खनिज विभाग के रसीद के बिना हजारों ट्रैक्टर, डंपर, ट्राले खनन कर अवैध परिवहन कर रहे हैं परंतु प्रशासन व विभाग आंखें बंद करके देख रहा है।

अवैध बजरी परिवहन व दोहन को रोकने की मांग को लेकर आज आर.के. कॉलोनी नेहरू गार्डन के पास चामुंडा माता मंदिर पर नागरिक अधिकार मोर्चा के संयोजक महेंद्र श्रोत्रिय के नेतृत्व में मंत्री अमन शर्मा, उपाध्यक्ष विश्वनाथ गर्ग, सचिव अंकित शर्मा, विजेंद्र सिंह राठौड़, अनिकेत पारीक श्रीनिवास, जगदीश ओझा, अक्षय शर्मा, जगदीश बाहेती, शिवकुमार शर्मा, प्रेम सिंह, माधु रैगर, भैरूलाल जाट, विकास यादव, अंजली शर्मा, मनोज श्रोत्रिय, राजु शर्मा, सुधाकर शर्मा, योगेश विजयवर्गीय, पंकज दाधिच, राजेश शर्मा, शुभम नराणिया, शीतल शर्मा, वंदना, सीमा सहित सभी ने चामुंडा माता मंदिर पर इकट्ठे होकर सद्बुद्धि महायज्ञ किया और खनिज विभाग व प्रशासन को नींद से जगाने के लिए भगवान से प्रार्थना की सद्बुद्धि यज्ञ किया। खनिज विभाग के अधिकारी व कर्मचारी इस पारदर्शी सरकार को बदनाम व राजस्व नुकसान करने में लगे हुए इसके लिए संभागीय आयुक्त उदयपुर व राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव को आमजन द्वारा सैंकड़ों हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन दिया जाएगा तथा आगामी दिनों में रणनीति तैयार कर भीलवाड़ा से जयपुर तक पैदल मार्च किया जाएगा।

रानीवाड़ा में 42वें दिन धरना रहा जारी

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। रानीवाड़ा सघर्ष समिति की ओर से ल रहे अनिश्चितकालीन धरने के 42वें दिन वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ काशी के विद्वान पंडित सतीश पांडे की देखरेख में गायत्री यज्ञ का आयोजन

- **धरनार्थियों ने यज्ञ में आहुतियां देकर कहा कि रानीवाड़ा को भीनमाल जिला बनाकर उसमें जोड़ा जाए या जालोर जिले मे यथावत रखा जाए**

रानीवाड़ा सघर्ष समिति की ओर से ल रहे अनिश्चितकालीन धरने के 42वें दिन वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ गायत्री यज्ञ का आयोजन कर हवन में आहुतियां दी गई।

कर हवन में आहुतियां दी गई। इस मौके पर मुख्य यजमान धरनार्थी मुकेश कुमार खण्डेलवाल और रमेश पुरोहित डूंगरी, सोमाराम चौधरी, शेरदान चारण, मसरु देवासी सहित दर्जनों धरनार्थियों ने यज्ञ में आहुतियां देकर गायत्री माता से प्रार्थना कर संकल्प छोड़ते हुए कहा कि रानीवाड़ा को भीनमाल जिला बनाकर उसमें जोडा जाए या जालोर जिले मे यथावत् रखा जाए।

धरने के 42वें दिन मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर मांग की गई कि सांचोर का क्षेत्रफल अधिक है जालोर जिले का क्षेत्रफल कम है इसलिए क्षेत्रफल की दृष्टि से भी रानीवाड़ा क्षेत्र को जालोर, भीनमाल में सम्मिलित किया जाना जनहित में आवश्यक है क्योंकि जो छोटा होगा वहां विकास के अवसर अधिक होगे। साथ ही प्रशासन भी प्रभावी ढ्ग से कार्य करेगा। आमजन की भी प्रशासन के प्रति पहुँच सुगम होगी व जनता को त्वरित न्याय मिल पाएगा। इसलिए रानीवाड़ा को सांचोर से हटाया जाकर जालोर में सम्मिलित किया जाना नितांत आवश्यक है।

इस मौके पर भंवराराम माली, जवानाराम आल पाल, रतनाराम देवासी वाडाल, पिंटू कुमार, महेन्द्र माली, सोनाराम चौधरी, नारायण फरसराम माहेश्वरी, छगनसिह देवल, पूर्व सरपंच मैदाराम चौधरी, भंवरलाल गोयल, कृष्ण देवासी वाडाल, मसरु देवासी हर्षवाडा, भीखाराम मेघवाल सहित कई जने मौजूद रहे।

आर.ए.एस. परीक्षा के प्रवेश पत्र आज अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 के प्रवेश-पत्र गुरुवार को आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड कर दिए जाएंगे। परीक्षा में 6 लाख 97 हजार 51 अभ्यर्थी पंजीकृत किए गए हैं। परीक्षा का आयोजन 1 अक्टूबर 2023 को 46 जिलों में बनाए गए 2158 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा।

आयोग सचिव ने कहा कि अभ्यर्थी यथाशीघ्र समयान्तर्गत प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश-पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है।

भाजपा महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधानसभा द्वारा बीजेपी महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रुप में दिल्ली लक्ष्मीनगर विधानसभा के विधायक अभय वर्मा रहे। मुख्य वक्ता वर्मा ने सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने इतिहास और संस्कृति की वजह से पूरे विश्व में एक विशेष स्थान रखता है। हमारा यह देश सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य शक्ति आदि में विश्व के बेहतरीन देशों में शामिल है।

वैसे तो आजादी के बाद देश की इन स्थितियों में सुधार की पहल हुई लेकिन हालिया समय में इस क्षेत्रों में पहल तेज हुई है। इसके लिए समाज के मानव संसाधन को लगातार बेहतर, मजबूत व सशक्त किया जा रहा है और समाज की आधी आबादी स्त्रियों की है, इस बाबत उनके लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि यदि किसी समाज की प्रगति के बारे में

- **महिला चाहे तो देश की दिशा बदल सकती है : वर्मा**
- **महिलाओं के बिना नहीं हो सकता समाज परिवर्तन : भदेल**

सही-सही जानना है तो उस समाज की स्त्रियों की स्थिति के बारे में जानो। कोई समाज कितना मजबूत हो सकता है, इसका अंदाजा इस बात से इसलिए लगाया जा सकता है क्योंकि स्त्रियाँ किसी भी समाज की आधी आबादी हैं। बिना इन्हें साथ लिए कोई भी समाज अपनी संपूर्णता में बेहतर नहीं कर सकता है। इस प्रकार आज महिला पूरे समाज की दिशा बदल सकती है।

उन्होने महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजनीति का क्षेत्र इतिहास से वर्तमान तक पुरुषों के एकाधिकार का क्षेत्र रहा है। कभी भी इस पर महिलाओं का एकाधिकार स्थापित नहीं हुआ। राजनीति घरेलू चारदिवारी से बाहर निकल समाज को संचालित करने वाली, दिशा देने का कार्य करती है। विश्व के हर कोने में पूरे समाज में राजनीतिक पदों पर पुरुषों को ही देखा गया। लेकिन आज भारत में राजनीति का क्षेत्र हो या उद्योग हो या फिर आज चांद तक पहुचने की बात हो महिला आगे बढ़ चुकी है।

इस अवसर पर विधानसभा संयोजक राजेश घाटे, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सीमा गोस्वामी, मंजू शर्मा, कृष्णा सुचेता, मनीषा गौड, रीना कुश्वाहा, बीना टांक, सीलम बैरवा, अंजना शेखावत, गीता जांगिड, ज्योति लालवानी, काजल जेठवानी, पुष्पा सिंह, रेनु शर्मा, हेमलता शर्मा, मधु भारद्वाज, भावना चौहान, सावित्री शर्मा, सुनिता पंवार, किरण तुनगरिया, रोशन राठौड, संतोष महेश्वरी, वंदना सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रही।

जेल में बंदियों तक मोबाइल पहुंचाने की कोशिश

अजमेर, (कासं)। प्रदेश की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा 10 फीट की दीवार से मोबाइल पार्सल अंदर फेंकने की कोशिश का मामला सामने आया है। मोबाइल मिलने के बाद से जेल में तैनात जवानों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। जेल प्रशासन ने पार्सल पैकेट जब्त कर सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल प्रशासन ने बुधवार को सिविल लाइन थाने में शिकायत देकर बताया कि गोपनीय सूचना प्राप्त हुई की जेल की मुख्य दीवार के पास टावर संख्या एक और पत्थरों के बीच में पार्सल खाकी कलर के टेप से लपेटा हुआ लावारिस पड़ा मिला। सूचना पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और लावारिस पार्सल को उठाकर जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ को सूचना दी गई। खोलकर देखा तो पार्सल में मोबाइल बरामद हुआ है। दीवार और इलेक्ट्रॉनिक तारों से टकराकर पार्सल नीचे गिर गया, जेल प्रशासन की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने कारागृह अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ ने कहा कि कैंपस से मोबाइल बरामद हुआ है। मामले में सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज कर दिया गया है।

उपराष्ट्रपति ने क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया

किसान की प्रगति के बिना कोई प्रगति नहीं हो सकती, किसान देश का पेट भरता है : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

बीकानेर/गुड़ामालानी, (नि.सं.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बाड़मेर के गुड़ामालानी में क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया। इस अवसर पर वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के प्रयासों से राजस्थान के बाड़मेर में आज इस बाजरा अनुसंधान संस्थान की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया के अंदर मोटे अनाज के बारे में जागरूकता बढ़ाकर वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष घोषित कराया, यह देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक दशक पहले हम पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाते थे हमारी अर्थव्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा गई थी और 2022 में दुनिया की पांचवीं सबसे शक्तिशाली आर्थिक महाशक्ति बन गए। आज हमारे देश का किसान तकनीकी रूप से इतना सक्षम हो गया है कि पीएम किसान सम्मन निधि के माध्यम से भेजी जाने वाली राशि किसान सीधे अपने बैंक खाते में प्राप्त कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आज जो केंद्र यहां खुल रहा है उसका असर केवल राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश और विदेश पर भी पड़ेगा।

उपराष्ट्रपति ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सभी सांसदों को बाजरे से बने व्यंजन का भोजन कराया। उन्होंने कहा कि सभी लोग भोजन कर रहे थे और कैलाश स्वयं अपने हाथों से भोजन परोस रहे थे। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि बाजरे से बना भोजन बहुत ही स्वादिष्ट भोजन था। शुरू से लेकर आखिरी तक पेय पदार्थ से लेकर मिठाई तक सूप से लेकर सब्जी तक सब कुछ मोटे अनाज का बना था। मैंने मेरी जिंदगी में आज तक इतना श्रेष्ठ भोजन नहीं किया।

उपराष्ट्रपति ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग इतनी तपती हुई धूप में यहां आए हैं, मैं आप सभी को नमन करता हूं और यह भी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में हमारा परिचय एक कृषक पुत्र के रूप में कराया था, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। किसान के बिना कोई प्रगति नहीं हो सकती, किसान वह इंजन है जो राजनीति की गाड़ी को भी चलाता है और देश का पेट भी भरता है। हाल ही संसद में पारित हुए महिला आरक्षण बिल की तारीफ करते हुए

गुड़ामालानी में भारतीय बाजरा अनुसंधान केन्द्र का शिलान्यास उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया।

करते हुए कहा कि आप लोग इतनी तपती हुई धूप में यहां आए हैं, मैं आप सभी को नमन करता हूं और यह भी उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में हमारा परिचय एक कृषक पुत्र के रूप में कराया था, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। किसान के बिना कोई प्रगति नहीं हो सकती, किसान वह इंजन है जो राजनीति की गाड़ी को भी चलाता है और देश का पेट भी भरता है। हाल ही संसद में पारित हुए महिला आरक्षण बिल की तारीफ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं के कल्याण के लिए अभी एक महत्वपूर्ण बिल पास हुआ है इस बिल का पास होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक की तारीफ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह दिल और दिमाग से किसानों के हित में काम कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने आईसीएआर के सभी कृषि वैज्ञानिकों व स्टॉफ को बधाई देते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा किसान पुत्र राष्ट्रवाद को हमेशा सर्वोपर रखते हैं और देश के विकास में सर्वश्रेष्ठ योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं, हमारा देश एक बदलाव का केंद्र बना है, हमें इस पर गर्व करना चाहिए, यहां से मैं बहुत सी यादें लेकर जा रहा हूं, आपका अन्न मैंने चार साल तक खाया है और आजीवन मैं आपका ही अन्न खाता रहूंगा।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र तोमर (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा), कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, हेमा राम चौधरी मंत्री राजस्थान सरकार, कृषि वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में पधारे सरपंच के साथ-साथ कई लोग और दूर-दूर से आए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

- **बीकानेर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मूंगफली अनुसंधान केन्द्र का लोकार्पण किया**

बीकानेर संवाददाता के अनुसार :- उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को बीकानेर में क्षेत्रीय मूंगफली अनुसंधान केन्द्र का लोकार्पण किया। इस लोकार्पण के मौके पर बीकानेर सांसद और संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि अर्जुनराम मेघवाल ने भारत की संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। उप राष्ट्रपति ने बीकानेर की नमकीन, भुजिया और रसगुल्ले की तारीफ करते हुए मूंगफली ब्रांडिंग की बात कही। उन्होंने कहा कि बीकानेर की मूंगफली की ब्रांडिंग की जायेगी। उप राष्ट्रपति ने जी-20 की अध्यक्षता की सफलता की तारीफ करते हुए कहा कि भारत ने वह करके दिखाया जिसकी कभी किसी ने कल्पना नहीं की थी। भारत ने इतना सफल कार्यक्रम आयोजित किया कि पूरी दुनिया देखकर दंग रह गई है। उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में दुनियां के नेताओं को मोटे अनाज से बने हुए व्यंजन परोसे गए। उन्होंने कहा कि जी-20 जैसे वैश्विक कार्यक्रमों में मोटे अनाज से बने व्यंजनों का परोसा जाना हर गांव, गरीब और किसान के लिए एक सम्मान की बात है।

इस अवसर पर उप राष्ट्रपति ने केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के प्रशिक्षु गृह का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम के बाद उप राष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ ने सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के अपने शिक्षक जी. एस. आचार्य से बीकानेर में सप्रेम भेंट की और उनका आशीर्वाद लिया। वे बीकानेर में रह रहे सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के अन्य सदस्यों से भी मिले। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी मूंगफली अनुसंधान संस्थान के संस्थान के महानिदेशक, कृषि वैज्ञानिक, विद्यार्थी व अन्य कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में पधारे किसान भाई उपस्थित थे।

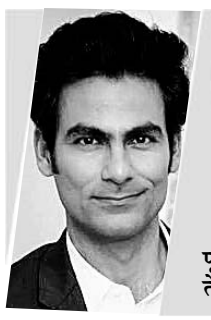

'वह एक महान खिलाड़ी के साथ विनम्र व्यक्ति भी है। हम सभी भाग्यशाली थे कि हमें उसके साथ खेलने का मौका मिला और हमने उससे बहुत कुछ सीखा। वह सभी के लिए एक आदर्श है। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि (महेन्द्र सिंह) धोनी, (विराट) कोहली, रोहित शर्मा और सभी दूसरे खिलाड़ियों उनका नाम लेते हैं।'' **- मोहम्मद कैफ**

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सचिन तेंदुलकर के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में अलग ही मूड में नजर आए। राजकोट के मैदान पर 353 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे रोहित ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने महज 31 गेंदों में फिफ्टी पूरी कर ली। हालांकि, रोहित शतक से चूक गए। उन्होंने 57 गेंदों का सामना करने के बाद 81 रन जुटाए। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 6 छक्के लगाए। रोहित ने छक्कों की बारिश कर अपना नाम रिकॉर्ड्स बुक में दर्ज करवा लिया है। चलिए, आपको रोहित द्वारा बनाए गए पांच धांसू रिकॉर्ड के बारे में बताते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी, 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्रा ने चन्द्रा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

टेनिस : रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी ने युगल में पक्का किया पदक

हांगझाउ, 27 सितंबर। भारत के टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी ने एशियाई खेल 2023 में पुरुष युगल क्वार्टरफाइनल में चीन के वू यिबिंग और झांग झिझेन की जोड़ी के खिलाफ 6-1, 7-6 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने हांगझोऊ में कम से कम एक कांस्य पदक पक्का कर लिया है। इस मैच में रामनाथन-मायनेनी ने पहला सेट आसानी से जीत लिया, वहीं चीनी जोड़ी ने दूसरा सेट टाईब्रेकर तक खींचने की कोशिश की। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने आखिरी गेम 10-8 से जीतते हुए मैच को जीत लिया। रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी सेमीफाइनल में सेओंगचान होंग और सूनवू क्वोन की जोड़ी से भिड़ेंगे, जिन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त शिंजी हजावा और काइतो उएसुगी की जापानी जोड़ी को हराया।

हॉकी इंडिया सब जूनियर में झारखंड, मणिपुर और ओडिशा को मिली जीत

रांची, 27 सितंबर। झारखंड में पहली हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष और महिला ईस्ट जोन चैंपियनशिप 2023 के चौथे दिन बुधवार को झारखंड, मणिपुर और ओडिशा ने अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। दिन के पहले मैच में हॉकी झारखंड ने सब जूनियर महिला वर्ग के पूल ए में असम हॉकी को 24-0 के बड़े स्कोर से हराया जबकि दिन के दूसरे मैच में मणिपुर हॉकी ने हॉकी बिहार को 8-2 से हराया। तीसरे मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी बंगाल को 12-0 से हराया। सब जूनियर पुरुष वर्ग के पूल ए में दिन के चौथे मैच में हॉकी झारखंड ने असम हॉकी को 10-0 से हराया। दिन के पांचवें मैच में सब जूनियर पुरुष वर्ग के पूल ए में मणिपुर हॉकी ने हॉकी बिहार को 3-0 से हराया। दिन के आखिरी मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने सब जूनियर पुरुष वर्ग के पूल ए में हॉकी बंगाल को 13-0 से हराया।

तमीम इकबाल के बगैर विश्व कप में उतरेगा बांग्लादेश

ढाका, 27 सितंबर। पीठ की चोट से उबर रहे बांग्लादेश के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज तमीम इकबाल को विश्व कप के लिये चुनी गयी 15-सदस्यीय टीम में जगह नहीं दी गई है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार तमीम ने दो दिन पहले ही चयनकर्ताओं को अपनी पीठ दर्द के बारे में आगाह किया था और कहा था कि टीम चुनने से पहले वे इसका ध्यान रखें। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने हालांकि इसका कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया और उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की बजाय सोशल मीडिया पर टीम चयन की जानकारी दी।

रोहित-कोहली का अर्द्धशतक बेकार, कंगारुओं ने जीता तीसरा वनडे

भारत का सीरीज पर कब्जा

नई दिल्ली, 27 सितम्बर। भारतीय टीम ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा और आखिरी वनडे गंवाया। भारत को राजकोट के मैदान पर 66 रन से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने 353 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में भारतीय पारी 49.4 ओवर में 286 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ग्लेन मैक्सवेल ने कातिलाना गेंदबाजी की। उन्होंने 10 ओवर में 40 रन देकर 4 अहम विकेट चटकाए। कप्तान रोहित शर्मा ने 57 गेंदों में 5 चौकों और 6 छक्कों की बदौलत 81 रन की पारी खेली। विराट कोहली ने 61 गेंदों में 56 रन बनाए। उन्होंने 5 चौके और 1 छक्काजमाया। हालांकि, भारत 2-1 से सीरीज अपने नाम करने में कामयाब रहा। भारत ने पहले वनडे में 5 और दूसरे मैच में 99 रन से जीत हासिल की थी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अच्छा आगाज किया। रोहित और वॉशिंगटन सुंदर (30 गेंदों में 18) ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। सुंदर 10वें ओवर में आउट हुए। रोहित और कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन की पार्टनरशिप की। रोहित ने 21वें और कोहली ने 27वें ओवर में अपना विकेट खोया। तीनों मैक्सवेल के जाल में फंसे। श्रेयस अय्यर (43 गेंदों में 48, एक चौका, दो छक्के) और केएल राहुल (30 गेंदों में 26, दो चौके) ने चौथे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी और भारत को 220 के पार पहुंचाया। सूर्यकुमार यादव (8) का बल्ला नहीं चला। मैक्सवेल ने अय्यर को 39वें ओवर में बोल्ड किया। इसके बाद, भारत की हालत लगातार खस्ता होती चली गई। रविंद्र जडेजा (36 गेंदों में 35, तीन चौके, एक सिक्स) को दूसरे छोर से साथ नहीं मिला। जोश हेजलवुड ने दो जबकि मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, कैमरून ग्रीन और तनवीर सांघा ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 352 रन जुटाए। सलामी बल्लेबाज मिशेल मार्श ने सर्वाधिक रन बनाए। उन्होंने 84 गेंदों में 13 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 96 रन की पारी खेली।

भारत ने दो स्वर्ण समेत सात पदकों पर लगाया निशाना

हांगझोउ, 27 सितंबर। 19वें एशियाई खेलों के चौथे दिन बुधवार को भारत ने निशानेबाजी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित सात पदक जीत लिये। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिद्म सांगवान की तिकड़ी को महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक मिला। इसके बाद 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की सफ्टि कौर सामरा ने दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। सिफ्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 469.6 अंक का स्कोर करते हुए व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जो नया विश्व रिकॉर्ड है।

सिफ्ट कौर सामरा ने नीलिंग में 154.6, प्रोन में 157.9 और स्टैंडिंग एलिमिनेशन में 157.1 का स्कोर बना कर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी में क्यूनग्यू झांग चीन को 7.3 अंकों के आसान अंतर से हराया। भारत की कांस्य पदक विजेता आशी चौकसे रजत पदक जीतने की रेस में थीं, लेकिन उनके आखिरी शॉट में 8.9 से नीचे के स्कोर के कारण क्यूनग्यू झांग ने रजत पदक अपने नाम किया और उन्हे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। क्वालीफाइंग राउंड में, सिफ्ट कौर सामरा ने 594 (28) के स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि आशी चौकसे 590 (24) के साथ छठे स्थान पर रहीं और मानिनी कौशिक 580 (28) के साथ 18वें स्थान पर रहीं। भारत की तिकड़ी ने क्वालीफाइंग राउंड में अपने क्युमुलेटिव स्कोर 1764 के दम पर टीम रजत पदक जीता। चीन (1773) और कोरिया गणराज्य (1756) ने क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक हासिल किया।

मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान की भारतीय महिला 25 मीटर पिस्टल टीम ने 1759 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन (1756) और दक्षिण कोरिया (1742) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किया।

मनु भाकर क्वालीफाइंग राउंड में 590 (28) के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने 586 (17) के स्कोर के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। रिदम सांगवान 583 (23) के साथ सातवें स्थान पर रहीं। ज्ञातव्य है कि व्यक्तिगत स्पर्धा में एक देश से केवल दो ही निशानेबाज अंतिम आठ में पहुंच सकते हैं इसलिए रिदम सांगवान जगह बनाने से चूक गईं।

मोदी ने टीम को दी बधाई

नयी दिल्ली, 27 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को एशियाई खेलों में 25 मीटर पिस्टल महिला टीम को स्वर्ण और 50 मीटर राइफल महिला टीम को रजत पदक जीतने पर बधाई दी है। मोदी ने आज सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा, भारत के लिए एक अनुकरणीय स्वर्ण। 25 मीटर पिस्टल महिला टीम को बधाई, जिसमें मनु भास्कर, रिद्म सांगवान और ईशा सिंह शामिल हैं, उनकी शानदार जीत के लिए! उनके उल्लेखनीय टीमवर्क से अच्छे परिणाम मिले हैं। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ। उन्होंने 50 मीटर राइफल महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली खिलाड़ियों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला खिलाड़ियों ने असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

एशियाई खेल : भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 13-0 से हराया

हांगझोउ, 27 सितंबर। सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को संगीता कुमारी की हैट्रिक और साथी खिलाड़ियो के शानदार खेल की बदौलत सिंगापुर को 13-0 से हरा दिया है। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में पूल ए में भारत बनाम सिंगापुर महिला हॉकी मुकाबले में संगीता ने 23वे, 53वें, 47वें मिनट में तीन गोल किये जबकि नवनीत कौर ने 14वें मिनट में लगातार दो गोल दागे। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही बैक-टू-बैक पांच गोल कर सिंगापुर की टीम को दबाव में ला दिया। खेल के पहले 15 मिनट में भारतीय खिलाड़ी नवनीत कौर ने लगातार दो गोल किए, जिसके बाद भारत की बढ़त 5-0 होगी। नवनीत कौर के अलावा खेल के पहले क्वार्टर में उदिता, सुशीला चानू और दीपिका ने भी 1-1 गोल अपने नाम किए। दूसरे क्वार्टर भी भारतीय टीम ने तीन और गोल कर मैच में बड़ी बढ़त हासिल कर ली। इस दौरान भारत की ओर से दीप ग्रेस एक्का और नेहा ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया तो वहीं संगीता कुमारी ने फील्ड गोल किया। इस तरह पहले हाफ की समाप्ति पर भारतीय महिला टीम ने 8-0 से अपनी बढ़त बरकरार रखी। दूसरे हाफ में भी सविता पूनिया एंड कंपनी बेहतरीन फॉर्म में नज़र आई और तीसरे क्वार्टर में एक और गोल किया। इस बार सलीमा टेटे ने मुकाबले के 35वें मिनट में बेहतरीन फील्ड गोल किया। इस बीच मुकाबले के 47वें मिनट में भारत की संगीता कुमारी ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर भारत की बढ़त को दहाई आंकड़े तक पहुंचा दिया। भारत की मोनिका ने 52वें मिनट में तो 53वें मिनट में संगीता कुमारी ने विपक्षी गोलकीपर को चकमा देते हुए बेहतरीन गोल किया। इस गोल के साथ भारतीय महिला टीम ने मैच के आख़िर तक 13-0 से अपनी बढ़त बरकरार रखी। भारत का अब अगला मुकाबला 29 सितंबर को मलेशिया से होगा।

विश्व कप से कम कुछ भी मंजूर नहीं : बाबर आजम

इस्लामाबाद, 27 सितंबर। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने बुधवार को कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य विश्व कप को घर लाना है और टीम के सभी सदस्यों को इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। भारत रवाना होने से पहले बाबर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा पाकिस्तान 2019 विश्व कप में अंतिम चार में जगह बनाने में विफल रही थी मगर इस बार टीम अंतिम चार में पहुंचने के बारे में ही नहीं बल्कि विश्व कप को अपने कब्जे में लेने के लक्ष्य के साथ जा रही है। हमे यह नहीं भूलना चाहिये कि उनकी टीम हालिया समय में विश्व की नंबर एक टीम थी।

उन्होने कहा, टॉप फ़ोर तो बहुत छोटा लक्ष्य होगा। हम यह टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। हमने विश्व कप से पहले कोई कैंप नहीं रखा क्योंकि हम लगातार खेलते आएं हैं। हमने खिलाड़ियों को ताज़ा रखने के लिए उन्हें विश्राम दिया। एशिया कप के आख़िरी दो मुक़ाबलों से पहले तक हम बढ़िया खेल रहे थे। हमने सही डेलिवर नहीं किया, लेकिन अपनी ग़लतियों से काफ़ी कुछ सीखने को मिला है। एशिया कप अलग था। विश्व कप अलग होगा।

विश्व कप से पहले पाकिस्तान के लिए मैदान पर और उसके बाहर कई विवाद उत्पन्न हुए हैं। भारत से बड़ी हार के बाद नसीम शाह और हारिस रउफ़ को लगी चोटों ने टीम को परेशान किया। शादाब ख़ान के फ़ॉर्म गंवाने से पाकिस्तान को फ़हीम अशरफ़ की जगह लेग स्पिनर उसामा मीर को टीम में शामिल करना पड़ा। इसके अलावा भारतीय वीज़ा मिलने में देरी के चलते टीम को दुबई में एक 'बॉन्डिंग' कैंप को रद्द करना पड़ा। ऊपर से बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच केंद्रीय अनुबंधों को लेकर अब चार लगातार महीने तक असहमति बनी हुई है।

बाबर ने कहा, हम इस बाहर के शोर को ब्लॉक करते हुए 100 प्रतिशत एकाग्रता पर ध्यान देते हैं। मैं कोशिश करता हूं कि यह शोर कभी ड्रेसिंग रूम तक नहीं पहुंचे। वीज़ा मिल गए हैं और मुझे उम्मीद है अनुबंधों की बात भी जल्दी ही सुलझ जाएगी। ड्रेसिंग रूम में कोई मनमुटाव नहीं है। किसी भी हार के बाद बहस होना लाज़मी है, लेकिन इसे मीडिया में अलग रंग दे दिया जाता है। टीम एक परिवार की तरह है और सब खिलाड़ियों के बीच स्नेह और सम्मान है।

अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को भारत से मुकाबले को लेकर उन्होने कहा अहमदाबाद के खचाखच भरे मैदान में खेलने में मुझे बहुत मज़ा आएगा। बड़े टूर्नामेंट में आपके पास बड़ा मौक़ा भी रहता है। विश्व कप में अच्छा परफ़ॉर्मेंस आपको हीरो बना सकता है। ऐसे पटल पर अच्छा करने की बात ही कुछ और है। हालांकि यहां अच्छा करने के लिए दबाव ना लेना ज़रूरी है।

राजधानी

जिन जिलों में कांग्रेस मजबूत, वहीं मुख्यमंत्री के दौरे होंगे!

मुख्यमंत्री के दौरे में सिर्फ तीन जिले ऐसे, जहां वर्ष 2018 में कांग्रेस की हालत बेहद खराब रही

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार से 20 जिलों के दौर शुरू कर दिए हैं। पहले दिन उन्होंने जयपुर जिले की चौमूं, सीकर जिले की दातारामगढ़ स्थित खाटूश्यामजी और चुरू जिले में सुजानगढ़ की सालासर क्षेत्र में अपने दौरे की शुरुआत की। वहीं अब मुख्यमंत्री गुरुवार से बाकी जिलों का दौर शुरू करेंगे।

दरअसल पहले प्रदेश कांग्रेस की ओर से तय किया गया था कि 25 से 29 सितंबर तक ईआरसीपी की मांग को लेकर 13 जिलों की यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें मंत्री-विधायक शामिल होंगे, लेकिन पूर्वी राजस्थान में कांग्रेस के मंत्री-विधायकों का सार्वजनिक विरोध तेज होता देखकर इस यात्रा को रद्द कर दिया गया। उसके बाद में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 20 जिलों का दौरा तय किया गया, जो 27 सितंबर से 7 अक्टूबर तक पूरा होना है।

- **हालांकि मुख्यमंत्री के दौरे के बावजूद क्या कांग्रेस फिर इन जिलों में मजबूत रहेगी, यह देखना भी रोमांचक होगा**

दरअसल इस दौर में मुख्यमंत्री ने उन जिलों को चुना है जहां कांग्रेस पहले से अच्छी स्थिति में है। यानी कि जयपुर जिले में कांग्रेस के पास 12 सीटें हैं, वहीं दो निर्दलीय भी कांग्रेस समर्थित है। ऐसे में जयपुर जिले को मुख्यमंत्री के दौरे के लिए चुना गया है। वही सीकर जिले में कांग्रेस के पास सभी सीट हैं। ऐसे में पहले दिन सीकर जिले का दौरा तय किया गया है, जहां मुख्यमंत्री ने खाटूश्यामजी के दर्शन किए। वहीं चुरू जिले में भी कांग्रेस के पास अधिकांश सीट हैं। इसलिए मुख्यमंत्री के दौरे के पहले दिन चुरू जिले में सालासर बालाजी धाम देवदर्शन का कार्यक्रम रखा गया।

अलावा भी मुख्यमंत्री ने जिन जिलों में दौरे रखे हैं, उनमें बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सिरोही, जालौर और पाली शामिल हैं। इनमें से सिरोही, जालौर और पाली को छोड़ दे, तो बाकी सभी जिलों में कांग्रेस की स्थिति अच्छी रहती है। हालांकि पिछले चुनाव में डूंगरपुर-बांसवाड़ा में पार्टी को ज्यादा सफलता नहीं मिली थी और बीटीपी ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया था।

दूसरी ओर चर्चा यह भी है कि जिस तरह से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यह कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ हम जीतेंगे। तेलंगाना भी जीतने जा रहे हैं, लेकिन राजस्थान में मुकाबला नजदीकी रहेगा। हालांकि इस बात पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा हम जीतेंगे और बहुमत लेकर आएंगे। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के बयान को लेकर चैलेंज स्वीकार करने के बजाय खुद चैलेंज दे दिया है। ऐसे में अब खुद मुख्यमंत्री पर यह भार है कि वह किसी भी स्थिति में राहुल गांधी की कई बात को झूठा साबित करें और पार्टी को जीत दिलवाएं। यही कारण है मुख्यमंत्री है अपने दौरों के लिए उन दौरों को चुना है जहां पहले से ही पार्टी मजबूत बनी हुई है। हालांकि मुख्यमंत्री के दौरे के बावजूद कांग्रेस फिर इन जिलों में मजबूत रहेगी, यह देखना भी रोमांचक होगा।

नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप ने की 205 करोड़ रुपये की जी. एस. टी. चोरी

आमजन को अच्छे रिटर्न का झांसा देकर 2700 करोड़ रु. निवेश करवाकर धोखाधड़ी की इस ग्रुप ने

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सीकर के नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप ने आमजन से करीब 2700 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी व अन्य जगहों पर निवेश के नाम पर हड़प लिए थे। अब केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर (जी.एस.टी.) विभाग ने भी इस ग्रुप की 205 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी है। साथ ही जीएसटी विभाग को जांच में इस ग्रुप द्वारा 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे में आने वाली अघोषित आय का पता भी चला है।

केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय अलवर के प्रधान आयुक्त जयप्रकाश सिंह ने बताया कि नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप द्वारा 2700 करोड़ रुपये आमजन से निवेश के नाम पर हड़पने के मामले सूचना मिलते ही अपर आयुक्त बसंत गढ़वाल के नेतृत्व में जांच शुरू करवाई।

- **जी.एस.टी. विभाग की जांच में सामने आया कि ग्रुप ने करीब 1000 करोड़ रु. धोखाधड़ी में शामिल एजेंट्स को कमीशन व बोनस बांटा**
- **जी.एस.टी. विभाग को जांच में इस ग्रुप द्वारा 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे में आने वाली अघोषित आय का पता चला जिलों में मजबूत रहेगी, यह देखना भी रोमांचक होगा**

जी.एस.टी. विभाग की जांच में सामने आया कि इस ग्रुप ने लोगों को लोक लुभावन सपने दिखाकर उनसे जमीन व अन्य जगहों पर रकम निवेश करवाई और अच्छे रिटर्न का झांसा देकर रकम हड़प ली। कंपनी ने लोगों को फंसाने के लिए बतौर एजेंट्स काम करने वाले लोगों को 1 हजार करोड़ रुपये का कमीशन और बोनस तक बांट दिया। इस ग्रुप ने राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में करीब 30 जी.एस.टी. फर्म बनाकर निवेश करवाया, लेकिन जी.एस.टी. विभाग को कोई टैक्स जमा नहीं कराया।

गत 25 सितंबर को सीजीएसटी आयुक्तालय जयपुर के अधिकारियों के साथ नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप से जुड़े लोगों के ठिकानों पर जांच की गई। जिसमें अभी तक सामने आया कि करीब 2700 करोड़ रुपये नेक्सा एवरग्रीन धोलेरा ग्रुप सीकर में लोगों द्वारा निवेश किए गए। इस ग्रुप ने 5 प्रतिशत प्रशासनिक शुल्क के रूप में 140 करोड़ रुपये वसूल किए। जी.एस.टी. विभाग की अब तक की जांच में इस ग्रुप की करीब 1140 करोड़ रुपये की जीएसटी दायरे वाली अघोषित आय के बारे में मालूम चला है, जिस पर करीब 205 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी इस ग्रुप द्वारा की गई है। केन्द्रीय वस्तु एवं सेवाकर आयुक्तालय अलवर द्वारा इस मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

स्मार्ट सिटी परियोजना में प्रदेश को परफॉर्मेंस स्टेट अवॉर्ड

जयपुर, (का.सं.)। स्मार्ट सिटी परियोजना में परफॉर्मेंस स्टेट अवॉर्ड श्रेणी में राजस्थान देश में तीसरे स्थान पर रहा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इन्दौर में इण्डिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2023 में शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग कैलाश चन्द मीणा को अवॉर्ड प्रदान किया। इस अवसर पर उनके साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयपुर स्मार्ट सिटी राजेन्द्र सिंह शेखावत भी उपस्थित थे।

इन्दौर में आयोजित इण्डिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव 2023 में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान एवं उनके मंत्रीमण्डल के सदस्य, सांसद एवं महापौर उपस्थित थे।

इण्डिया स्मार्ट सिटी अवॉर्ड प्रतियोगिता में उदयपुर स्मार्ट सिटी को नॉर्थ जोन कैटेगरी में प्रथम अवॉर्ड एवं मोबाईल ऐप्लीकेशन अवॉर्ड तथा उदयपुर स्मार्ट सिटी के लिए बेस्ट पार्टनर अवॉर्ड एल एण्ड टी को प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड उदयपुर स्मार्ट सिटी मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्पणा गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी कृष्ण पाल सिंह चैहान, एल एण्ड टी के उपाध्यक्ष श्रीधरन, महाप्रबंधक हनमुंगम ने प्राप्त किया। इण्डिया स्मार्ट सिटी अवॉर्ड प्रतियोगिता की राज्य श्रेणी में मध्यप्रदेश ने प्रथम स्थान, तमिलनाडू ने दूसरा स्थान तथा राजस्थान और उत्तर प्रदेश ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में होगा प्राचीनता व नवीनता का अद्भुत संगम

जयपुर, (का.सं.)। आइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2024 एक बार फिर अपने श्रोताओं का स्वागत करने के लिए तैयार है। विचारों और चर्चाओं के ये मंच हर साल देश और दुनिया के श्रेष्ठ वक्ताओं को विविध विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित करता है। वर्ष 2024 में इस आइकोनिक फेस्टिवल के 17 साल पूरे होने जा रहे हैं। आज टीमवर्क आर्ट्स ने, धरती के सबसे बड़े साहित्यिक शो के 17वें संस्करण की तारीखों की घोषणा की। ये फेस्टिवल 2024 में होटल क्लार्क्स, आमेर, जयपुर में 1 से 5 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। 2024 में विविध भारतीय भाषाएं वैश्विक मंच पर अपनी कहानी, अपनी संस्कृति को बयां करेंगी। फेस्टिवल में असमी, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, उर्दू सहित कई अन्य भाषाओं की उपस्थिति रहेगी।

साहित्य आज विविधता को अपनाकर, उभरते माध्यमों के अनुरूप खुद को ढालते हुए, गंभीर सामाजिक मुद्दों पर बात कर रहा है। आधुनिक साहित्य प्राचीनता और नवीनता के मध्य एक पुल बना रहा है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में आमंत्रित वक्ता समकालीन समाज की जटिलताओं और चुनौतियों पर अपने विचार रखेंगे। हर साल की तरह, इस साल भी फेस्टिवल अपने मूल आदर्श के प्रति दृढ़ है: एक ऐसा लोकतान्त्रिक मंच प्रस्तुत करना, जहाँ हर कोई अपनी बात रखने के लिए स्वतंत्र हो। पांच दिवसीय इस फेस्टिवल में, 4 वेन्यु पर, 300 से अधिक वक्ता अपने विचार व्यक्त करेंगे। 25 वक्ताओं की लिस्ट आज जारी की गई, जिसमें शामिल हैं भारतीय लेखक, स्तंभकार, स्क्रीनराइटर, टेलीविजन पर्सनेलिटी, कार्टूनिस्ट और मोटिवेशनल स्पीकर आनंद नीलकंठन, पुरस्कृत ब्रिटिश पत्रकार औरसुपीरियर: द रिटर्न ऑफ़ रेस साइंस सहित चार किताबों की लेखिका एंजेला सैनी, साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित असमी लेखिका और पत्रकार अनुराधा शर्मा पुजारी, तमिल और मलयाली भाषाओं के जाने-माने लेखक और साहित्य समीक्षक बी. जयमोहन;ब्रिटिश समीक्षक, स्तंभकार औरद रिसेंट कोल्दित्ज़: प्रिज्नर ऑफ़ द कासल के लेखक बेन ममाकिन्त्रे, प्रमुख भारतीय कला इतिहासकार, अकादमिक और लेखक बी.एन. गोस्वामी, पुरस्कृत लेखक और अकादमिक ब्रायन ए. काल्लोस, पुरस्कृत नाटककार, लेखिका और ब्रॉडवे एक्ट्रेस कैथरीन एन जोन्स, पुरस्कृत ऑस्ट्रेलियाई इतिहासकार, लेखिका, ब्रॉडकास्टर एंड पब्लिक कमेंटेटर क्लेयर राइट; जाने-माने यात्रा लेखक और उपन्यासकार कोलिन थुब्रों, नेशनल म्यूजियम ऑफ़ एशियन आर्ट, साउथ एशिया की क्यूरेटर डेबरा डायमंड, क्वाटर लाइफ की नवोदित उपन्यासकार देविका रेगे, द हीट विल किल यू फर्स्ट के कामयाब अमेरिकी लेखक जेरी ब्रोटन, कश्मीर में जन्मी, न्यू यॉर्क में रहने वाली लेखिका और अनुवादक कल्पना रैना, पुरस्कृत किताब पोम्पेइ की लेखिका मैरी बियर्ड, चित्तकोबरा, काठगुलाब और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित उपन्यास मिलजुल मन की लेखिका मृदुला गर्ग, आर्ची कॉमिक्स पब्लिकेशन की को-फाउंडर और को-सीईओ नैंसी सिल्वेर्केल्ट, द विल्डिंग्स सहित तीन पुरस्कृत उपन्यासों की लेखिका नीलांजना एस. रॉय, पुरस्कृत पत्रकार और इंटरनेशनल बेस्टसेलर्स से नथिंग, एम्पायर ऑफ़ पेन, एंड रोगुएसके लेखक पैट्रिक रेडन कीफ, भारतीय पत्रकार और उपन्यासकार राज कमल झा;47 मानक डॉक्टरेट प्राप्तकर्ता और पद्मश्री, पद्मभूषण व पद्मविभूषण से सम्मानित आर.ए. माशेलकर, द केस फॉर नेचर के लेखक सिद्धार्थ श्रीकांत उड़ीसा हाईकोर्ट के भूतपूर्व चीफ़ जस्टिस और पंजाब व हरियाणा और दिल्ली हाईकोर्ट के जज एस. मुरलीधर, पुरस्कृत इतिहासकार, अनुवादक और ब्रॉडकास्टर टॉम हॉलैंड।

कांग्रेस कार्यसमिति और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के सरकारी आवास पर इन दिनों रोजाना कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ रही हैं। बुधवार को भी बड़ी संख्या में राजस्थान के विभिन्न हिस्सों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सचिन पायलट ने उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। राजस्थान में चुनावी बिगुल बज चुका है और अगले 10-15 दिनों में कभी भी आचार संहिता लागू हो सकती है, ऐसे में विधानसभा चुनाव में टिकट चाहने वाले उम्मीदवार पायलट से मिलकर अपना बायोडाटा सौंप रहे हैं। पायलट के समर्थकों में भारी जोश व उत्साह देखा जा रहा है।

'केन्द्रीय नेतृत्व तय करेगा किसकी क्या भूमिका होगी, आप सिर्फ कमल के फूल को ध्यान में रखिए'

अमित शाह और जे.पी. नड्डा ने प्रदेश के भाजपा नेताओं को स्पष्ट हिदायत दी

- **शाह और नड्डा के साथ भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भी बैठकों में शामिल हुए। तीनों नेताओं ने विभिन्न नेताओं से अलग-अलग मंत्रणा भी की।**
- **रात 8 बजे शुरू हुई बैठकें देर रात तक चलीं।**
- **कल सुबह शाह व नड्डा का संघ के नेताओं से मीटिंग का कार्यक्रम है। फिर 11 बजे तक दोनों दिल्ली लौट जाएंगे।**

जयपुर, 17 सितम्बर (का.सं.)। विधानसभा चुनाव के सम्बंध में चुनावी रणनीति तय करने के लिए बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने होटल ललित में प्रदेश के नेताओ की बैठक ली। कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक में साफ कहा कि- चुनाव सिर पर हैं और सभी को आपसी समन्वय से आगे बढ़ना है। इस दौरान प्रत्याशियों की पहली सूची पर भी चर्चा हुई। टिकट वितरण के बाद असंतुष्ट कार्यकर्ताओं द्वारा बगावत नहीं हो, इस पर भी दिशा-निर्देश दिए गए। करीब 2.15 घंटे बाद सतीश पूनिया और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ रवाना हो गए। पर मीटिंग्स का दौर चलता रहा।

सूत्रों के मुताबिक टिकट वितरण को लेकर लंबी बातचीत चली। शाह, नड्डा व संतोष ने कुछ नेताओं से अलग-अलग बातचीत भी की, जो आधी रात तक चली। सूची में शामिल नहीं होने के बावजूद सांसद दिया कुमारी भी होटल पहुँची लेकिन होटल के अंदर करीब 10 मिनट रही और वापस रवाना हो गई। उनका होटल में पहुँचना भी चर्चा का विषय रहा। बैठक में कोर कमेटी के सदस्य सांसद कनकमल कटारा को शामिल नही करना भी चर्चा का विषय रहा, वे एसटी वर्ग का प्रतिनिधि करते हैं।

बैठको में चुनाव के आगामी प्लान से लेकर भाजपा के प्रत्याशी चयन को लेकर रोडमैप तैयार किया गया है। सभी नेताओं को अपनी व्यक्तिगत छवि को दरकिनार कर केवल कमल के फूल को ध्यान में रखकर मैदान में उतरने की हिदायत दी गई है। जिन बड़े नेताओं, सांसदों को टिकट दिया जाना है, उनके नामों पर, प्रदेश में भाजपा को कांग्रेस और गहलोत सरकार से मिल रही चुनौतियों पर चर्चा हुई। बैठक में चुनावों में संघ की भूमिका, आगामी दिनों में प्रदेश में होने वाली चुनावी गतिविधियां, सभाएं और बूथ स्तर तक पार्टी की व्यूह रचना, भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किए जाने वाले अहम मुद्दों, गहलोत सरकार को घेरने के लिए उठाए जाने वाले मसलों को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि सभी नेताओं को संकेत दे दिए गए हैं कि प्रत्याशी चयन में अहम रोल केन्द्रीय नेतृत्व का ही रहेगा। साफ है कि सर्वे रिपोर्ट में आए दावेदारों के नामों में से ही भाजपा विधानसभावार प्रत्याशी तय करेगी। बैठक के बाद राजस्थान में बड़े नेताओं की भूमिका भी तय होने की चर्चाए हैं। सभी नेताओं के हालांकि चुनावी जीत के सुझाव लिए गए हैं। जानकारी के अनुसार चुनिंदा बड़े नेताओं से अलग से मंत्रणा कर उनका फीडबैक भी लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार शाह गुरुवार सुबह संघ के नेताओं से भी चुनावी चर्चा कर सकते हैं, जिनमे निम्बाराम, प्रकाश चंद, रामप्रसाद शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि चुनाव में संघ के सुझाव लिए जाएंगे। संघ के नेताओं से बैठक कहां होगी, देर रात तक तय नहीं हुआ था। संभवत: होटल में ही उनसे बैठक होगी। बताया जा रहा है कि शाह- व नड्डा संघ के सहकार मार्ग स्थित सेवा भारती कार्यालय भी जा सकते हैं।

महामंत्री बी.एल. संतोष सुबह संघ की शाखा में जा सकते हैं। वही शाह व नड्डा का गुरुवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारकों से मिलने का भी कार्यक्रम है। यह मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

शाह व नड्डा रात्रि विश्राम होटल में ही करेंगे। इसके लिए होटल की सातवीं मंजिल पर लगभग 16 कमरे बुक किए हैं। शाह और नड्डा सुबह 11 बजे रवाना हो जाएंगे। कोर कमेटी की इस बैठक में प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रल्हाद जोशी, प्रभारी अरुण सिंह, चुनाव सह प्रभारी नितिन पटेल, कुलदीप बिश्नोई, विजया राहटकर, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और नारायण पंचारिया शामिल हुए।

नड्डा और शाह का पहले सीधे प्रदेश कार्यालय आने का कार्यक्रम था लेकिन ऐन वक्त पर मीटिंग की जगह बदली गई। इसके बाद सभी नेता, पदाधिकारी होटल के लिए रवाना हुए। होटल पहुचने के बाद इन नेताओं ने खाना खाया। फिर बैठक रात करीब 8 बजे शुरू हुई।

बी.एल. संतोष सुबह ट्रेन से जयपुर पहुंचे। वे रेलवे स्टेशन से सेवा सदन पहुंचे और इसके बाद प्रदेश कार्यालय आए। यहां प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी और प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर के साथ करीब दो घंटे चुनावी चर्चा की।

मेयर मुनेश गुर्जर के दोबारा निलम्बन पर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा

मामले की अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को होगी

- **हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को राज्य सरकार ने पहले 5 अगस्त को निलम्बित किया था और उन पर पद के दुरूपयोग का आरोप लगाया गया था।**
- **चार अगस्त को मेयर के पति सुशील गुर्जर की, नगर निगम के पट्टे जारी करने के एवज में रिश्वत मांगने के मामले में गिरफ्तारी हुई थी, राज्य सरकार ने इसमें मेयर मुनेश गुर्जर को भी दोषी माना था।**
- **23 अगस्त को हाई कोर्ट ने मेयर का निलम्बन रद्द कर दिया था, पर राज्य सरकार ने 22 सितम्बर को पुनः मेयर मुनेश गुर्जर को निलम्बित कर दिया।**

जयपुर, 27 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हैरिटेज नगर निगम की मेयर मुनेश गुर्जर को पुन: निलंबित करने के मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता ने कहा कि उनकी ओर से मामले में कैविएट लगाई गई है। ऐसे में वे प्रकरण में जवाब पेश करना चाहते हैं। इसलिए उन्हें जवाब पेश करने के लिए समय दिया जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 6 अक्टूबर तक टाल दी।

याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता का निलंबन नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों व तथ्यों के विपरीत जाकर किया है। मामले में उसके खिलाफ प्रावधानों के खिलाफ जाकर जांच की गई और इसमें वो ही तथ्य थे, जो कि पंचनामा रिपोर्ट व एफआईआर से साबित नहीं हो पाए हैं। इसलिए उसके निलंबन आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाकर उसे रद्द किया जाए।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने गत 22 सितंबर को आदेश जारी कर मुनेश गुर्जर को हैरिटेज निगम के मेयर पद से निलंबित कर दिया था। निलंबन आदेश में कहा गया कि नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 39 के प्रावधानों के तहत उन पर पद के दुरुपयोग व कर्तव्य पालन में प्रतिकूल आचरण का आरोप लगाया है। नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में मेयर के पति सुशील गुर्जर की ओर से रिश्वत मांगने से जुड़े मामले में प्रथम दृष्टया मुनेश भी शामिल हैं और इसके लिए वह भी पूरी तरह से दोषी व उत्तरदायी है। ऐसे में उसे मेयर पद से निलंबित किया जा रहा है। इससे पहले भी राज्य सरकार ने 5 अगस्त को मेयर मुनेश को उनके पति सुशील गुर्जर से जुड़े इसी मामले में शामिल मानते हुए निलंबित किया था, लेकिन हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं बाद में राज्य सरकार ने निलंबन आदेश को वापस ले लिया था। जिसमे बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया था। निलंबन आदेश को वापस ले लिया था। जिसमे बाद हाईकोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया था।

चन्द्रबाबू की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजीव खन्ना के साथ बैंच में बैठे हुये थे, ने इस याचिका की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया, तो टी.डी.पी. नेता की ओर प्रस्तुत वरिष्ठ एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा तुरंत ही मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच के समक्ष चले गये।

इस बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा मनोज मिश्रा भी शामिल थे, ने कहा, "हम इसे किसी समुचित बैंच द्वारा सुनवाई के लिये मंगलवार को सूचीबद्ध कर देंगे।" अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यह बैंच अभियोग पक्ष की दलील, जिसमें टी.डी.पी. नेता की पुलिस कस्टडी और बढ़ाने की मांग की जा रही है, पर निर्णय लेने से ट्रायल जज को नहीं रोक सकती।

ज्ञातव्य है कि, जब नायडू 2015 में मुख्यमंत्री थे, उस समय स्किल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन के पैसे के कथित दुरूपयोग को लेकर, 9 सितम्बर को वे गिरफ्तार कर लिये गये थे। इसके फलस्वरूप राज्य के राजकोष का 371 करोड़ रू. का कथित भुगतान हुआ था। उनकी जुडिशियल रिमांड ट्रायल कोर्ट ने 5 अक्टूबर के लिये बढ़ा दी है।

बिधूड़ी टोंक में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह निर्णय इन अनुमानों-अटकलों के बीच लिया गया है कि कांग्रेस नेता सचिन पायलट आसन्न विधानसभा चुनावों में टोंक विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। टोंक पायलट का गढ़ है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव इस साल नवम्बर में या उससे पहले होने हैं। इस चुनाव में 200 विधायक चुने जायेंगे।

अभी हाल ही में, चन्द्रयान-3 मिशन पर लोकसभा में चल रही चर्चा के दौरान, भाजपा सांसद बिधूड़ी द्वारा बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक मुस्लिम विरोधी टिप्पणियों के बाद, बहुत बड़ा विवाद खड़ा हो गया था।

उनकी टिप्पणियों को लेकर आक्रोश पैदा होने के बाद, वे टिप्पणियाँ सदन की कार्यवाही से हटा दी गई थी।

विपक्षी दल कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से बिधूड़ी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की थी। कम से कम चार विपक्षी दलों ने स्पीकर से अनुरोध किया है कि यह प्रकरण विशेषाधिकार समिति को सौंपा जाये।

स्पीकर को लिखे गये अपने पत्र में, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा था, "संसद के इतिहास में, किसी अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के खिलाफ ऐसे शब्द काम में नहीं लिये गये हैं।"

टिप्पणी को लेकर पैदा हुये विवाद के बाद, भाजपा ने बिधूड़ी की टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था।

'डिग्रीधारी इंजीनियर कर रहे हैं कुली का काम'

- **राहुल गांधी ने बुधवार को कहा, देश में बेरोजगारी चरम पर है और प्रधानमंत्री ने युवाओं को रोजगार देने का जो वादा किया था उसे पूरा नहीं किया। इसी का परिणाम है कि डिग्रीधारी इंजीनियर कुली का काम कर रहे हैं।**

नयी दिल्ली, 27 सितम्बर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि, देश में बेरोजगारी चरम पर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को रोजगार देने का जो वादा किया था उसे पूरा नहीं किया है, इसी का परिणाम है कि डिग्रीधारी इंजीनियर कुली का काम कर रहे हैं।

गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, भारत के मेहनती कुली भाइयों से दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन पर मिला। उन्होंने कहा, "डिग्री इंजीनियर की, काम कुली का, ऐसी बेरोज़गारी से त्रस्त हैं। रेलवे से न पगार, न पेंशन, न स्वास्थ्य बीमा और न सरकारी सुविधा। मगर इन्हें उम्मीद है, समय बदलेगा और मुझे पूरा विश्वास।"

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने भी बेरोजगारी को लेकर 'एक्स' पर कहा कि, बेरोजगारी के कारण युवा त्रस्त हैं और वे कुली का काम करने को भी मजबूर हैं। उन्होंने कहा, पिछले महीने आनंद विहार टर्मिनल के कुलियों ने गांधी से मिलने की इच्छा जताई थी। गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को आगे बढ़ाते हुए उनसे मुलाक़ात की।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी कार्यकर्ताओं की एक-एक मीटिंग में उन्होंने कहा बताया, "हम बड़े नेता हो गए हैं, क्या हम अब वोटों की भीख मांगने जाएंगे।"

मीडिया रिपोर्टर्स और कई चुनाव पूर्व सर्वे बताते है कि मध्य प्रदेश में भाजपा को भारी सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है और छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस आगे बताई जा रही है। राजस्थान में भी कांग्रेस और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है।

भाजपा की केन्द्रीय मंत्रियों व सांसदों को मैदान में उतारने की रणनीति संकेत है कि आगामी विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही लड़े जाएंगे, जिसमें प्रदेश के पार्टी नेताओं की सीमित भूमिका होगी। भाजपा सूत्रों ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व की मौजूदगी से चुनावों में अप्रत्याशित एवं नए घटक भी शामिल होंगे, जिससे पार्टी को लाभ होगा।

गंगानगर-हनुमानगढ़ में एन.आई.ए. ने 3 जगहों पर दी दबिश

कैनडा के खालिस्तानी नैटवर्क से तार जुड़े होने की आशंका में एन.आई.ए. ने यह कार्यवाही की

- **सूरतगढ़ क्षेत्र की ठुकराणा ग्राम पंचायत में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी सम्पर्क होने और विदेश से पैसे मंगवाने की जानकारी मिली है।**
- **संदेह के आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ के बाद उनके मोबाइल फोन जब्त किए गए।**

हनुमानगढ़/गंगानगर, 27 सितम्बर (कासं)। कैनडा के खालिस्तानी नेटवर्क के तार सूरतगढ़ क्षेत्र से जुड़े होने की आंशका को लेकर राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार तड़के दबिश दी, जिसमें कैनडा से स्थानीय लोगों को हुई फंडिंग के बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई हैं।

सूरतगढ़ क्षेत्र ठुकराणा ग्राम पंचायत के चाड़सर गांव में एक ग्रामीण युवक के खालिस्तानी समर्थकों से संपर्क होने के साथ-साथ विदेश से पैसे मंगवाने के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो (नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेन्सी/एन.आई.ए.)की टीम ने कार्रवाई करते हुए पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान एन.आई.ए. की टीम के साथ राजियासर व गजसिंहपुर का पुलिस जाप्ता भी था। बुधवार तड़के 5 बजे ठुकराणा पंचायत के चाड़सर गांव में दबिश दी गई। दोपहर बारह बजे तक चली इस पूछताछ की कार्रवाई के दौरान, संबंधित आवास और गांव के सभी रास्तों पर लोगों की आवाजाही रोक दी गई।

हनुमानगढ़ जिले में भी बुधवार को एन.आई.ए. की टीम ने कुछ जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई की। टीम ने कुछ लोगों को संदेह के आधार पर चिन्हित कर उनसे पूछताछ की। टीम ने कुछ घरों में सर्च अभियान भी चलाया और, कहा जा रहा है कि, लोगों से पूछताछ कर कुछ अहम जानकारी जुटाई। बताया जा रहा है कि, चिन्हित लोगों के बैंक खातों को भी जांचा गया है।

अचानक की गई उक्त कार्रवाई की आसपास के क्षेत्रों में चर्चा रही। हालांकि जिला पुलिस के अधिकारी इस संबंध में कार्रवाई को लेकर किसी तरह की जानकारी देने से बचते रहे। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने इतना ही बताया कि, टीम जिले में आई है, कुछ जगहों पर कार्रवाई भी की है, जिला पुलिस ने उन्हें सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करवाई है तथा कुछ गोपनीय मामलों को जांचने में टीम जुटी हुई है।

बताया जा रहा है कि गोलूवाला थाना क्षेत्र के तीन एच.डी.पी. गांव में एन.आई.ए. टीम ने कार्रवाई की। अल सुबह टीम गांव में पहुंच गई। जिस घर में कार्रवाई को अंजाम दिया गया, उस गली को पूरी तरह से सील कर दिया गया था। स्थानीय पुलिसकर्मियों को भी जांच के दायरे से बाहर रखा गया। करीब चार घंटे की पूछताछ के बाद टीम वहां से रवाना हुई। जानकारी के अनुसार विदेशी फंडिंग मामले में गोलूवाला के तीन एचडीपी निवासी महेन्द्र वर्मा के यहां टीम ने कार्रवाई की। महेंद्र पलम्बर का काम करता है। पुलिस ने लम्बी पूछताछ के बाद महेन्द्र का मोबाइल जब्त कर लिया। इसके बाद टीम गांव से रवाना हो गई।

जिले के परलीका क्षेत्र में भी टीम द्वारा कार्रवाई करने की सूचना है। जानकारी के अनुसार, खालिस्तानी समर्थित लोगों को की जा रही कथित फंडिंग के मामले में टीम को यहां रह रहे लोगों पर कुछ संदेह हुआ था। इसी की पड़ताल करने को लेकर यहां टीम पहुंची थी। इसी तरह भादरा तहसील के गांव मालखेड़ा में भी टीम ने एक ग्रामीण के निवास पर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच के बाद कुछ साक्ष्य और तथ्य लेकर टीम यहां से वापस लौट गई।

मणिपुरः दो स्कूली छात्रों की हत्या पर विरोध प्रदर्शन जारी

इंफाल, 27 सितंबर। मणिपुर में दो स्कूली छात्रों की हत्या के विरोध में बुधवार को भी जारी रहे विरोध प्रदर्शन में 90 से अधिक छात्र घायल हो गए। वहीं, राज्य सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सभी शैक्षिणक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। विशेष निदेशक अजय भटनागर के नेतृत्व में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक टीम आतंकवादियों द्वारा दो स्कूली छात्रों (एक लड़के और एक लडकी) के "अपहरण और हत्या" के मामले की जांच करने के लिए यहां पहुंची।

छात्रों के लापता होने के बाद राज्य सरकार ने अगस्त में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। विरोध तेज होने पर सरकार ने मंगलवार को मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दीं। बड़ी संख्या में छात्र संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा की गई दोहरी हत्याओं पर नारे लगाते हुए बाहर आए।

भाजपा राजस्थान में "वसुंधरा फैक्टर"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **कर्नाटक विधानसभा चुनाव और हालिया उप चुनावों में मिली हार से आहत भाजपा लोकसभा चुनाव से पूर्व होने वाले इन विधानसभा चुनावों में कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती है।**

चौहान को जगह नहीं मिल पाई है।

चौहान को टिकट नहीं मिलेगा यह कहना तो गलत है लेकिन "चुनाव के बाद कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है" वाली बात 64 वर्षीय चौहान के राजनैतिक भविष्य के लिए ठीक नहीं है।

मध्य प्रदेश में चुनावी तैयारियों के संदर्भ में एन.डी.टी.वी. को कहा गया कि केन्द्रीय मंत्रियों और सांसदों को मैदार में उतारना सामूहिक नेतृत्व का संदेश देता है। आज यह संदेश और पुख्ता हो गया जब सूत्रों ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम को उतारने से उसे कांग्रेस के मुकाबले लाभ मिलेगा। इन पांच राज्यों में वरिष्ठ नेताओं को पाच वर्ष पूर्व हारी सीटें भी जीतने की जिम्मेवारी दी जाएगी।

भाजपा राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जहां मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति मैदान में है, में कांग्रेस को हराने के लिए भाजपा यही रणनीति अपनाएगी।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में दूसरा रास्ता इख्तियार किया है जहां उसने मुख्यमंत्री पद के लिए वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भतीजे विजय को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी को उम्मीद है कि "बघेल बनाम बघेल" की परिवार में विभाजन की रणनीति उसके पक्ष में जाएगी।

विजय बघेल अभी लोकसभा सांसद हैं जो दुर्ग जिले की पाटन सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह सीट पर 2003 से दोनों के बीच झूल रही है और मुख्यमंत्री गत दो चुनाव यहां से जीते हैं।

भाजपा के अन्य संभावित उम्मीदवार हैं केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह और राज्यसभा सांसद सरोज पांडे। भाजपा ने अभी तक अपनी सूचियों में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का नाम नहीं जोड़ा है।

तेलंगाना में भाजपा का रुख उसके अभी चल रहे "मिशन साउथ" का हिस्सा है जिसके तहत दक्षिण भारत में सरकार बनानी है जहां अभी तक जनता उसके कट्टर राष्ट्रवादी एजेंडा को नकारती आई है।

पार्टी के पास कर्नाटक था लेकिन इस वर्ष के पूर्वार्द्ध में कांग्रेस ने भाजपा सरकार को बाहर कर दिया। केरल भाजपा के प्रति पूरी तरह उदासीन है, तमिलनाडु ने भी मोदी की पार्टी को ठुकरा रखा है और मंगलवार को अन्नाद्रमुक भी एन.डी.ए. गठबंधन से अलग हो गई।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी भाजपा जगह नहीं बना पाई है।

तेलंगाना में नवंबर में चुनाव होने वाले हैं और केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी संभावित बड़े नाम हैं। तेलंगाना के तिम्मापुर क्षेत्र के रहने वाले रेड्डी राज्य में पार्टी के अध्यक्ष भी हैं।

यह चर्चा है कि लोकसभा सांसद बांदी संजय कुमार और राज्यसभा सांसद डॉ.के. लक्ष्मण को भी ओ.बी.सी. चेहरों के रूप में उतारा जा सकता है। इस वर्ष पांचवा चुनाव मिज़ोरम में है जहां भाजपा को पड़ौसी मणिपुर की जातीय हिंसा की चुनौती का सामना करनाा पड़ेगा।

कांग्रेस हाई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूसरे शब्दों में, गहलोत यह कह रहे हैं कि इतने ज्यादा विधायकों के टिकट मत काटिये तथा अगर आपको टिकट काटने ही हैं तो केवल उन विधायकों के टिकट काटिये, जिन्होंने, उनके अनुसार, पार्टी के साथ विश्वासघात किया था।

लेकिन असली बात यह है कि गौरव गोगोई के लिए राहुल गांधी के निर्देश स्पष्ट हैं- उनके टिकट काट दीजिये, जिनका हारना सुनिश्चित है। समझौता मत कीजिये।

अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि मौजूदा विधायकों के टिकट बड़े पैमाने पर काटे जाने हैं।

अमित शाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयोजक नारायण पंचारिया, जयपुर जिलाध्यक्ष राधव शर्मा, देहात जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, जयपुर उत्तर जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा, महापौर सौम्या गुर्जर, उप महापौर पुनीत कर्णावट, विधायक कालीचरण सराफ, नरपत सिह राजवी, अशोक लाहोटी, पूर्व विधायक अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी, कैलाश वर्मा शामिल थे। उसके बाद जेपी नड्डा और अमित शाह होटल ललित पहुँचे, जहां उन्होंने भाजपा नेताओं की बैठक ली।

महाराष्ट्र में भाजपा ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि, सभी पार्टियाँ अपने प्रत्याशी से आगे बढ़कर अपना वर्चस्व दिखाएंगी। "उन्होंने कहा कि, शरद पवार व एन.सी.पी. बाकी दोनों पार्टियों के आगे झुकना पसंद नहीं करेंगे।

महाराष्ट्र के एक भाजपा नेता ने कहा, "बहुत सारे क्षेत्र और सीटें हैं, जैसे साउथ सैन्ट्रल मुम्बई की लोकसभा सीट, जहाँ कांग्रेस और शिवसेना (यू.बी.टी.) दोनों ही दावेदार होंगे, और शिरडी जहाँ एम.वी.ए. के सभी घटक टिकट के दावेदार होगे, या फिर मराठवाड़ा, जहाँ एन.सी.पी. और शिवसेना (यू.बी.टी.) सीटों और प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा में होंगे इसमें विधानसभा सीटों की सीट शेयरिंग की जटिलता को भी जोड़ दिया जाए, तो ऐसी स्थिति बन सकती है कि, हर अधिकारिक प्रत्याशी के सामने दो विद्रोही उम्मीदवार होंगे।"

इस सोच के पीछे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ भाजपा का अनिश्चित सा समीकरण भी है। भाजपा महसूस करती है कि, राज्य में जहाँ यह गठबंधन सरकार बना सकता है, लेकिन गठबंधन का प्रधान पार्टनर बनने का संघर्ष अभी भी जारी हैं, जैसा कि, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष चंद्रबाबू बावनकुले के इस वक्तव्य से जाहिर है कि, अगले वर्ष भाजपा राज्य की 240 सीटों से चुनाव लड़ेगी और बाकी बची 48 सीटें शिवसेना को देगी। इसमे निर्दलियों का कोई ज़िक्र नहीं है।

इस वक्तव्य से विवाद शुरु हो गया है, और, हालांकि, राज्य मंत्री चंद्रकान्त पाटिल ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की है, लेकिन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना सावधान हो गई है। ऐसे परिदृश्य में, उम्मीद की जा रही है कि, राज्य विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव एकसाथ होने से मोदी की अपील प्रभावी होगी तथा भाजपा की राह आसान होगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600